RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर
साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 30 सोमवार 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 पृष्ठः 08 मूल्य : ₹3/=

करदाता और सीजीएसटी अधिकारी कार्य में रखें पारदर्शिता: निर्मला ...3

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी का किया उद्घाटन

मेडिकल रिस्पॉन्सिबिलिटी के साथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी निभाना निजी चिकित्सा संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए : राष्ट्रपति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को गाजियाबाद के इंदिरापुरम में यशोदा मेडिसिटी का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे और जनसेवा की भावना की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासियों को निष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों में आकर उन्हें गर्व और खुशी दोनों का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि यशोदा मेडिसिटी ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरी निष्ठा के साथ अपनाया है। कोविड महामारी के दौरान इस संस्थान ने बड़ी संख्या में लोगों का उपचार किया और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत भी उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने बताया कि 'सिस्टम फॉर टीबी एलिमिनेशन इन प्राइवेट सेक्टर (स्टेप्स)' के तहत उत्तर भारत का पहला केंद्र यशोदा मेडिसिटी को बनाया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह संस्थान सिकल सेल एनीमिया जैसी जनजातीय क्षेत्रों में होने वाली बीमारियों पर विशेष रूप से काम कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यशोदा मेडिसिटी इस दिशा में और अधिक योगदान देगी। अस्पताल के चेयरमैन और एमडी डॉ. पी.एन. अरोड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने सेल्फ

मेड हेल्थकेयर मिशन के तहत एक विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित किया है, जो समाज सेवा और राष्ट्र सेवा को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को अपनी माता यशोदा जी के नाम पर रखना भारतीय संस्कारों और स्वदेशी भावना का उदाहरण है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अस्पताल का दौरा भी किया और कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार इतना अत्याधुनिक अस्पताल देखा है, जहां एक ही छत के नीचे सभी परीक्षण और उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों का कीमती समय बचता है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और यह तभी संभव है जब देश का हर नागरिक स्वस्थ हो। उन्होंने कहा कि इस तरह की मेडिसिटी न केवल इलाज के लिए बल्कि अनुसंधान और नवाचार के लिए भी जरूरी हैं।

राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि यशोदा मेडिसिटी आईआईटी बॉम्बे जैसे संस्थानों के साथ मिलकर कैंसर की जीन थैरेपी जैसी स्वदेशी तकनीकों को अपनाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र निर्माण का अभिन्न अंग है और सरकार इस दिशा में निरंतर काम कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि निजी क्षेत्र के अच्छे स्वास्थ्य संस्थान देश के लिए अमूल्य योगदान दे सकते हैं। मेडिकल रिस्पॉन्सिबिलिटी के साथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी निभाना इन संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अंत में उन्होंने यशोदा मेडिसिटी से उम्मीद जताई कि यह 'अफोर्डेबल वर्ल्ड क्लास हेल्थ सर्विस टू ऑल' के मिशन को पूरा करेगी और देश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने डॉ. पी.एन. अरोड़ा और उनकी टीम को शुभकामनाएं दीं कि वे सेवा, गुणवत्ता और नवाचार के साथ देश को गौरवान्वित करते रहें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ पीएन अरोड़ा, सीईओ डॉ उपासना अरोड़ा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विशेष शॉल भेंट कर हुआ अतिथियों का स्वागत

यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन समारोह में शामिल सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत संस्थान के चेयरमैन और एमडी डॉ पीएन अरोड़ा ने विशेष शॉल भेंट कर किया। शॉल पर रामायण के दृष्यों को रेशम के धागों से उकेरा गया है और प्रत्येक शॉल को बनाने में कारीगरों को एक वर्ष का समय लगा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था ने लिया है नया रूप : राजनाथ सिंह

गाजियाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां आयोजित यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो। हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा। हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है।

मेडिकल ट्रेनिंग और टेक्निकल रिसर्च को मिलेगी नई दिशा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल ट्रेनिंग और टेक्निकल रिसर्च को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरूआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ पीएन अरोड़ा ने 1986 में

अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया। आज यह अस्पताल समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए विश्वास का प्रतीक बनकर उभरी है।

सरकार एक संरक्षक के रूप में बुजुर्गों के साथ खड़ी है

राजनाथ सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का उत्तरदायित्वपूर्ण निर्वाह किया है। ठीक उसी प्रकार हम भी समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था ने नया रूप लिया है। पहले जहां यह गरीब के लिए चिंता का कारण होता था, वही आज उसके अधिकार के रूप में उसके दरवाजे तक पहुंच रहा है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि भारत का कोई गरीब किसी भी बीमारी के कारण अपने जीवन की उम्मीद न खोए। इसके लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देश के 10 करोड़ परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रूपए के स्वास्थ्य बीमा का कवच प्रदान किया गया है। अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में शामिल किया गया है। ताकि जीवन के उस पड़ाव में जब देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है तब सरकार एक संरक्षक के रूप में उसके साथ खड़ी रहे।

जेनरिक मेडिसिन से गांव-गांव में लोग हो रहे लाभान्वित

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम जनता को अत्यंत किफायती दर पर जेनरिक मेडिसिन

उपलब्ध कराई जा रही हैं। आज गांव गांव में लोग इन केंद्रों से लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही हमने एक मजबूत स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर विशेष बल दिया है। 2014 में देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे वही आज बढ़कर 800 पहुंच चुकी है। 2014 में एमबीबीएस की सीटें केवल 50 हजार हुआ करती थीं, आज यह 1 लाख 20 हजार से ज्यादा हो चुकी हैं। 22 नये एम्स की स्थापना का निर्णय लिया गया। इसमें से 12 पूरी क्षमता के साथ कार्यरत हैं, बाकियों का निर्माण पूरी तेजी पर हैं। जब ये सभी संस्थान पूरी तरह से कार्यरत होंगी तो हमारा हेल्थ नेटवर्क और मजबूत होगा।

दक्षिण एशिया में नवाचार की नई परिभाषा गढ़ेगी यशोदा मेडिसिटी

अंत में उन्होंने यह कहकर अपनी खुशी जाहिर की कि, यशोदा समूह इस क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास कर रहा है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि यह संस्था आने वाले समय में न केवल भारत बल्कि दक्षिण एशिया में नवाचार की नई परिभाषा गढ़ेगी। रक्षामंत्री ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने यहां आकर यहां के चिकित्सक और कर्मचारियों के मन में नई ऊर्जा का संचार किया है।

राजनाथ सिंह ने यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन और एमडी डॉ पीएन अरोड़ा, सीईओ डॉ उपासना अरोड़ा और उनकी टीम को बधाई दी।

इससे पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यशोदा मेडिसिटी का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अब यूपी के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना होगा: सीएम योगी

यशोदा मेडिसिटी के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी

- स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ निवेश और रोजगार का भी माध्यम बन रहा है यह अस्पताल : सीएम
- एक ही छत के नीचे 5000 से अधिक लोगों को एक साथ मिलेगा रोजगार : मुख्यमंत्री
- हर नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा दिलाना डबल इंजन सरकार का लक्ष्य : योगी आदित्यनाथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है। यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर उपलब्ध हो गया है।

इनवेस्टमेंट भी और रोजगार का माध्यम भी

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में थर्ड ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के नाम से अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब यह विश्वास नहीं होता था कि इतनी जल्दी यह संभव होगा, लेकिन डॉक्टर पी.एन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम ने मात्र तीन वर्षों में इसे साकार कर दिखाया। यह इन्वेस्टमेंट भी है और 5000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी। इस अस्पताल में डॉक्टर, पैरामेडिक्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य हेल्थकेयर से जुड़े 5000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन वर्षों में यह जो काम हुआ है वह उत्तर प्रदेश के बदलते निवेश माहौल और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की शक्ति को दशार्ता है।

प्रदेश और एनसीआर के नागरिकों के लिए हेल्थकेयर को मिली नई दिशा

मुख्यमंत्री ने डॉक्टर पी.एन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश और एनसीआर के नागरिकों के लिए हेल्थकेयर की नई दिशा तय की है। उन्होंने कहा कि डॉ. अरोड़ा का व्यवहार, सेवा भावना और प्रतिबद्धता उन्हें विशिष्ट बनाती है। वे हर जरूरतमंद का इलाज सुनिश्चित करते हैं, चाहे आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी जैसे प्रोजेक्ट न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि रोजगार और विश्वास का नया अध्याय भी लिख रहे हैं। यह अस्पताल उत्तर प्रदेश की उस नई सोच का प्रतीक है, जो स्वास्थ्य, निवेश और सेवा को एक सूत्र में जोड़ती है।

प्रदेश में स्थापित हुए 42 नए मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 11 वर्षों में हेल्थ सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। उत्तर प्रदेश ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिले और हेल्थकेयर में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित हो। योगी आदित्यनाथ ने भारतीय दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय मनीषा कहती है कि 'शरीरं माध्यमं खलु धर्मसाधनम्' यानी जीवन के सभी उद्देश्यों की पूर्ति एक स्वस्थ शरीर से ही संभव है। उन्होंने कहा कि यशोदा मेडिसिटी इसी भावना को मूर्त रूप देती है। यहां कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जो अब तक केवल विकसित देशों में ही मिलती थीं।

राष्ट्रपति जी का जीवन देश के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रदेश सरकार की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति जी का मार्गदर्शन हम सबके लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जी ने शून्य से शिखर तक की यात्रा कैसे की जाती है, यह अपने विराट व्यक्तित्व और कृतित्व से देश की 140 करोड़ आबादी, विशेषकर आधी आबादी के सामने प्रेरणा का स्त्रोत बनकर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ जैसे पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित इस पावन अवसर पर वे राष्ट्रपति जी का अभिनंदन करते हैं।

इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, यशोदा मेडिसिटी के अध्यक्ष और एमडी डॉ. पीएन अरोड़ा और डॉ उपासना अरोड़ा उपस्थित रहीं।

डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस की बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें उप कृषि निदेशक, गाजियाबाद द्वारा गत किसान दिवस की शिकायतों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। कृषक अजीत चौधरी द्वारा ग्राम भोजपुर में चौ० चरण सिंह यादगार स्थल पर लाइट न लगने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी है। जिस पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जिला पंचायतराज अधिकारी, गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि अतिशीघ्र उक्त स्थल पर लाइट लगवाना सुनिश्चित करे। कृषक सदाकत अली (उर्फ छोटे चौधरी) द्वारा ग्राम पंचायत रसूलपुर सिकरौड़ा में सड़क पर गड्ढे के सम्बन्ध में शिकायत की गयी। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग खण्ड-2 गाजियाबाद को अतिशीघ्र निरीक्षण कर शिकायत का निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। जिला गन्ना अधिकारी, गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि गन्ना मूल्य का भुगतान चीनी मिल द्वारा तैयार की गयी समय सारणी अनुसार तत्काल कराया जाये। इस प्रकार कुल 18 शिकायत कृषकों द्वारा प्रेषित की गयी। जिसके निस्तारण हेतु उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय सीमा अन्तर्गत शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण करना सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर नगर आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता (नहर), विशेष कार्याधिकारी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, परियोजना अधिकारी, एनएचएआई, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य आदि जनपद स्तरीय अधिकारी एवं लगभग 80 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वच्छता के साथ मनाया जाएगा छठ पर्व श्रद्धालुओं ने लिया संकल्प

हिंडन छठ घाट पर श्रद्धालुओं के साथ नगर आयुक्त ने किया मां गंगा का पूजन, नारियल फोड़ कर की गई पर्व की शुरूआत

- हिंडन घाट सहित सभी घाटों पर गंगाजल के टैंकरों की कराई जाएगी व्यवस्था
- छठ घाटों पर तैयारियां पूर्ण, जिम्मेदारी के साथ-साथ अधिकारियों में श्रद्धा भाव- नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा छठ पर्व की तैयारी पूर्ण कर ली गई है, जिसमें अंतिम चरण की तैयारियां जोरों पर चल रही है, पुरबिया जन कल्याण परिषद के सदस्यों द्वारा हिंडन छठ घाट पर मां गंगा के पूजन का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा पूजा में सम्मिलित होकर की गई, मंत्र उच्चारण से पूजन विधि विधान से प्रारंभ हुआ जिसमें नगर आयुक्त द्वारा नारियल फोड़ कर पर्व की शुरूआत की, सभी उपस्थित जनों ने स्वच्छता के साथ पर्व मनाने के लिए संकल्प लिया, मौके पर नगर आयुक्त द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों सहित चल रहे कार्यों की तैयारी को भी देखा गया तथा तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए जिसमें गंगाजल आने के बाद घाट पर व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए भी निर्देशित किया, चल रही तैयारी के बारे में विस्तार से उपस्थित श्रद्धालुओं को जानकारी भी दी गई तथा स्वच्छता के साथ पर्व मनाने के लिए अपील की गई।

हिंडन छठ घाट पर 10 गंगाजल के टैंकर की व्यवस्था करने तथा अन्य समस्त छठ घाटों पर भी गंगाजल टैंकर की व्यवस्था करने के लिए महा प्रबंधक जल को निर्देशित किया गया, नगर आयुक्त ने विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग को छठ पर्व के दौरान तथा समापन के उपरांत भी सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया' व्यवस्थाओं को देखते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं ने गाजियाबाद नगर निगम के कार्यों की प्रशंसा की राष्ट्रीय महासचिव राकेश तिवारी द्वारा नगर आयुक्त के नेतृत्व में चल रही कारों के लिए धन्यवाद भी किया गया साथ ही बताया इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक व्यवस्था और अधिक बेहतर की गई है तथा छठ पर्व को महापर्व बनाने में गाजियाबाद नगर निगम टीम का विशेष योगदान मिल रहा है, उपस्थित जनों ने सराहना की, मौके पर रीता सिंह अध्यक्ष, विनोद अकेला, मनोज व साधु राम भी उपस्थित रहे, गंगाजल के गाजियाबाद आगमन पर प्रसन्नता जाहिर की गई तथा मित्रों के साथ पूजन संपन्न हुआ।

नगर आयुक्त द्वारा विस्तार से तैयारी के बारे में जानकारी देते समय, आकर्षक लेजर शो का भी जिक्र किया जो की तीसरी बार हिंडन घाट पर आयोजित किया जाएगा, लेजर शो के माध्यम से छठ पर्व की महत्वता को भी बताया जाएगा तथा संगीतमय प्रस्तुति होगी, विस्तार से बताया गया' महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा स्वच्छ पर्व मनाने के लिए जन-जन को जागरूक किया जा रहा है, हिंडन छठ घाट पर स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए कई होर्डिंग भी लगाए गए है, कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम अधिकारी जिम्मेदारी के साथ-साथ श्रद्धा भाव से भी छठ पर्व में जुड़े हुए दिखाई दे रहे हैं जो की सराहनीय हैं।

इंदिरापुरम में कैलाश मानसरोवर भवन जीडीए को हुआ हैंडओवर, अब निजी एजेंसी करेगी संचालन

धार्मिक आस्थाओं से जुड़े कैलाश मानसरोवर भवन का संचालन प्राधिकरण द्वारा निजी एजेंसी के माध्यम से धर्मार्थ कार्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार कराया जायेगा: अतुल वत्स

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। देश की राजधानी दिल्ली सीमा से लगे गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा विकसित इंदिरापुरम योजना मे स्थित कैलाश मानसरोवर भवन का विधिवत तरीके से संचालन प्राधिकरण के द्वारा निजी एजेंसी के माध्यम से कराने की योजना है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स ने बताया कि निर्धारित होने वाली एजेंसी के द्वारा संचालन हेतु आरएफपी धार्मिक विभाग की शर्तों के आधार पर तय की गई है अर्थात निजी एजेंसी के द्वारा संचालन की अवधि के दौरान परिसर में माँस- मदिरा आदि का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। निजी एजेंसी के द्वारा किए जाने वाले रख- रखाव व संचालन पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा दी गयी शर्तो के अनुरूप होगा। वर्तमान योजना के अनुसार कैलाश मानसरोवर भवन के रख रखाव व संचालन का कार्य 15 साल की अवधि के लिए निजी एजेंसी को दिया जाएगा तथा 15 साल की अवधि के दौरान तत्मय की शर्तों का पालन किए जाने की स्थिति में अगले 15 साल अवधि के लिए नवीनीकरण किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जून से सितंबर माह के बीच अर्थात कैलाश मान सरोवर यात्रा के दौरान निर्धारित की जाने वाली एजेंसी के द्वारा किसी तरह के आयोजन की बुकिंग नहीं की जा सकेगी, शर्तों में स्पष्ट किया गया है। आरक्षित समय के अतिरिक्त परिसर में समय समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी के क्षेत्र के लोगों के द्वारा आयोजन किया जा सकेगा। कैलाश मानसरोवर भवन परिसर में पार्किंग की बेहतर सुविधा है। किसी तरह के आयोजन के दौरान इसमें ठहरने की भी बेहतर व्यवस्था है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के गाजियाबाद आगमन के दौरान समीक्षा बैठक में कैलाश मानसरोवर भवन का संचालन गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के स्तर से किए जाने के निर्देश दिए गए थे। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में प्राधिकरण उपाध्यक्ष के सतत प्रयास से धार्मिक विभाग और प्राधिकरण के बीच एमओयू साइन किया गया। इसी के साथ धार्मिक विभाग के द्वारा कैलाश मानसरोवर भवन प्राधिकरण को हैंडओवर किया जा चुका है।

डीसीपी ने किया वेव सिटी थाने का निरीक्षण, दिये जरूरी निर्देश

गाजियाबाद। देहात जोन से सिटी जोन में शामिल हुए वेव सिटी थाने का डीसीपी सिटी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त नगर जोन ने वेव सिटी थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, मिशन शक्ति केन्द्र, अभिलेखों की जांच की और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस कार्यप्रणाली की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, जनसुनवाई की व्यवस्था की समीक्षा करना, महिला सुरक्षा, शिकायत निवारण तंत्र की स्थिति जानना, अभिलेखों, तकनीकी संसाधनों एवं बुनियादी सुविधाओं की जांच करना था। ज्ञात हो कि हाल ही में देहात जोन के दो थानों वेव सिटी व क्रासिंग रिपब्लिक थानों का समायोजन सिटी जोन में किया गया है। सिटी जोन में शामिल होने के बाद पहली बार डीसीपी सिटी ने वेव सिटी थाने का निरीक्षण किया।

एनसीआर में खुद का आशियाना बनाने के इच्छुक लोगों के लिए खुशखबरी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण लाया है 77 आवासीय भूखंडों की योजना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एनसीआर में खुद का भूखंड खरीदते हुए आशियाना बनाने के इच्छुक लोगों के लिए बहुत बडी. खुशखबरी है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण लाया है आवासीय भूखंडों की उत्तम योजना। प्राधिकरण के द्वारा नूर नगर के खसरा संख्या 96-97 की लगभग 17 हजार 872 वर्ग मीटर भूमि पर इस योजना को लाया है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स ने बताया कि योजना में 77 आवासीय भूखंड 60 वर्ग मीटर से 221 वर्ग मीटर साइज के नियोजित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विकास का न केवल खाका तैयार कर लिया गया है , बल्कि टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। लगभग 305 लाख की लागत से सडक, नाली, सीवर के कार्य अगले सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा। सडक नाली आदि का कार्य पूरा होने के बाद लगभग एक करोड़ की लागत से विद्युतीकरण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर ये योजना लायी जा रही है, वहां पर एलिवेटेड रोड के साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है। चौड़ी सडकों के साथ ही योजना में हरियाली के लिए पार्क एवं ग्रीन एरिया भी प्रस्तावित की गई है। योजना धरातल पर विकसित होने के बाद निश्चित तौर पर आवासीय भूखंड खरीदने के इच्छुक लोगों को पूरी तरह से सुनियोजित तरीके से विकसित की जाने वाली योजना में भूखंड उपलब्ध हो सकेंगे। इस योजना मे खास बात यह भी है की इसमे छोटे भूखंड से लेकर बड़े भूखंड को शामिल किया गया है, जिससे हर वर्ग के लोग अपना आशियाना बनाने का सपना पूरा कर सके।

ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के अंतर्गत चल रहे प्रोजेक्ट का कार्य पूर्ण

नगर आयुक्त ने किया इंदिरापुरम में स्थित टीएसटीपी का निरीक्षण

- 40 एमएलडी प्लांट से साहिबाबाद की 1200 औद्योगिक इकाइयों को हो रही है 15 एमएलडी जलापूर्ति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट के कार्य पूर्ण होने पर कमेटी के साथ निरीक्षण किया गया। जिसमें शोधित जल की प्रक्रिया को मौके पर देखा गया तथा उपकरणों के सही इस्तेमाल को भी देखा गया। प्रोजेक्ट को पूर्ण रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश महाप्रबंधक जल के पी आनंद तथा टीम को दिए गए। लैब में पहुंच कर शोधित जल के पैरामीटर की भी जानकारी ली गई। मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, वेबेग से प्रोजेक्ट मैनेजर अग्नि मोहती व टीम उपस्थिति रही। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि इंदिरापुरम स्थित 40 एम एल डी, टीएसटीपी का कार्य तेजी से कराया गया है। जिसके क्रम में लगातार अधिकारियों की मॉनिटरिंग बनी रही आज कमेटी के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया ।

ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट का कार्य पूर्ण हुआ है। लगभग 1200 औद्योगिक इकाइयों को साहिबाबाद में जलालपूर्ति की जा रही है 40 एमएलडी प्लांट से वर्तमान में लगभग 15 एमएलडी की जलापूर्ति की जा रही है। जिनको विभाग द्वारा और अधिक गति देते हुए बढ़ाया जाएगा। प्लांट पूर्ण रूप से चालू है उपकरणों व अन्य व्यवस्था के लिए अंतिम रूपरेखा देने का कार्य चल रहा है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के प्रोजेक्ट के कार्य को पूर्ण कर लिया है, । लगभग 3 वर्ष में प्रोजेक्ट का कार्य पूर्ण हुआ है । जिसके माध्यम से जल शोधित करने का कार्य किया जा रहा है तथा औद्योगिक इकाई साहिबाबाद को लाभ पहुंच रहा है जिससे न केवल भूगर्भ जल की बचत हो रही है । बल्कि औद्योगिक इकाइयों की पूर्ति भी की जा रही है।

जनसुनवाई में आयी शिकायतों का करें शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण: रविन्द्र कुमार मांदड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ द्वारा प्रतिदिन की तरह जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रत्येक जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं, इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, आईएएस अयान जैन (ट्रेनी) उपस्थित रहे।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया सीजीएसटी की नए भवन का उद्घाटन

करदाता और सीजीएसटी अधिकारी कार्य में रखें पारदार्शिता: निर्मला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि करदाता और सीजीएसटी अधिकारी अपने कार्य में ईमानदारी व पारदार्शिता रखें। यदि ये दोनों अपने कार्य में पारदर्शिता रखेंगे तो इससे दोनो को लाभ होगा और लम्बित जीएसटी मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा सकेगा।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवारको यहां गाजियाबाद के कमला नेहरूनगर स्थित सीजीएसटी की नए भवन का उद्घाटन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। उन्होंने कहा जीएसटी जांच का आर्दश वाक्य 'गलत किया तो खैर नहीं, सही किया तो बैर नहीं' होना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों व करदाता दोनो को ही चेताते हुए गलत आईटीसी दावों और फर्जी चालानों को तकनीक का उपयोग करने पर बल दिया।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि लम्बित जीएसटी मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए और शिकायत मिलने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई जल्द पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली बेहद निराश करने वाली है। कुछ लोग सीबीआईसी की छवि खराब कर रहे हैं, ऐसे लोगों पर लगाम लगाना आवश्यक है।

वत्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने जीएसटी सुधारों के लिए किये गये कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिवाली पर बाजारों में उत्साह का माहौल रहा। मिडिल क्लास से लेकर किसानों तक, वंचित वर्ग हर किसी को जीएसटी रिफॉर्म का लाभ मिला। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि इस वर्ष 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछली दीवाली की तुलना में 25 फीसदी से अधिक थी। वस्तुओं पर 5.4 लाख करोड़ रुपए और सेवाओं पर 65,000 करोड़ रुपए खर्च हुए।

सीबीआईसी चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्ष 2021 में सीजीएसटी की नई इमारत की नींव रखी गई थी। यह इमारत अपने आप में आर्किटेक्चर का नमूना है जिसे फाइव स्टार रैंकिंग मिली है। डिजिटल सिक्योरिटी के अलावा पूरी तरह से मॉर्डन तकनीक पर आधारित यह इमारत बनाई गई है।

इससे सबसे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधिवत पूजन के साथ ग्राउंड फ्लोर पर नए भवन का उद्घाटन किया। इसके उपरांत कांफ्रेस हॉल में दीप प्रज्जवलित कर करदाताओं, सीबीआईसी के अधिकारियों को सम्बोधित किया।

सीबीआईसी चीफ कमिश्नर मेरठ जोन संजय मंगल ने सभी आगन्तुको आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सीबीआईसी सदस्य संजीत भुजबल, सीबीआईसी सदस्य अरूणा नायर गुप्ता, डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक आदि दर्जनों अधिकारी थे।

असम से चलकर गाजियाबाद पहुंची गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी को समर्पित यात्रा

कई गुरुद्वारों के पदाधिकारियों ने किया स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिख पंत के नवें गुरु शहीदों के सरताज गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350 वीं शहीदी को समर्पित असम से चलकर आनंदपुर साहिब तक की यात्रा गाजियाबाद पहुंची, जिसका कई स्थानों पर गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारियों ने स्वगात किया। सबसे पहले इस यात्रा का स्वागत सिद्धार्थ विहार में क्रॉसिंग और प्रताप विहार गुरुद्वारा के द्वारा किया गया। इसके उपरांत यात्रा भाटिया मोड़ गुरुद्वारा साहिब पहुंची। वहां पर भाटिया मोड़ गुरुद्वारे की कमेटी के द्वारा संगत के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया गया। तत्पश्चात यात्रा गांधीनगर गुरुद्वारा साहिब पहुंची, वहां गाजियाबाद की संगत का शिरोमणि अकाली दल पंजाब की आई हुई कमेटी के सभी पदाधिकारी मौजूद थे। कीर्तन करन वालो ने गुरु जस गायन करके संगत को निहाल कर फिर लंगर किया। इसके बाद यात्रा घंटाघर पहुंची जहां पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रेलवे रोड बजरिया सभा द्वारा आए हुए सभी मेहमानों का गुरु साहबान को नत मस्तक होकर स्वागत किया।

घंटाघर से चलकर यह यात्रा अब नया बस अड्डा मेट्रो स्टेशन मोहन नगर श्याम पार्क नवीन पार्क बॉर्डर होते हुए यात्रा दिल्ली के लिए कूच कर गयी। दो दिन यह यात्रा पूरी दिल्ली में भ्रमण करेगी।

शहर विधायक का भी हुआ स्वागत

इस यात्रा में शामिल होने पहुंचे शहर विधायक संजीव शर्मा का भी गुरुद्वारा की संगत की ओर से स्वागत कियागया। सिख समाज के लोगों ने कहा कि विधायक संजीव शर्मा सभी धर्मों का समान सम्मान करते हैं। इसी सोच के चलते वे इस यात्रा का हिस्सा बने। इस दौरान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की कमेटी ने विधायक का गुरु घर की तरफ से सम्मान किया।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक होंगे कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा महानगर कार्यालय नेहरूनगर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली प्रोफेशनल मीट एवं अन्य कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की।

बैठक में अभियान संयोजक सुशील गौतम, सह संयोजक एवं मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, सह संयोजक प्रहलाद दुआ, सह संयोजक नीरू शर्मा, प्रोफेशनल मीट संयोजक संजय कश्यप सहित सभी प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह संयोजक उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प लोकल से वोकल को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान का उद्देश्य महानगर के विभिन्न वर्गों – प्रोफेशनल्स, उद्योगपति, व्यापारी, चिकित्सक, शिक्षाविद् एवं युवा उद्यमियों – को जोड़ना है, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग में आत्मनिर्भरता की भावना और अधिक सशक्त हो सके। उन्होंने कहा कि संगठन इस विषय पर योजनाबद्ध रूप से प्रत्येक क्षेत्र में संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं प्रोफेशनल मीट प्रभारी संयोजक संजय कश्यप ने बताया कि इस मीट के माध्यम से मंडल एवं बूथ स्तर के आधार पर एक बड़ा सम्मेलन 1 नवंबर से 15 नवंबर तक आत्मनिर्भर भारत अभियान को स्थानीय स्तर पर सशक्त करने का प्रयास किया जाएगा। शहर के सभी पेशेवर समूहों को जोड़कर एक साझा मंच तैयार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय प्रतिभा और संसाधनों को प्रोत्साहन मिल सके। बैठक के दौरान प्रकोष्ठों की ओर से ओपी अग्रवाल, अशोक भारतीय, अनिल अग्रवाल, वीरेंद्र सारस्वत, बृज भूषण शर्मा, सतेन्द्र सिंह, सुनील शर्मा, साक्षी नारंग, भीम शर्मा, प्रमोद यादव , गौरव गर्ग, विनोद त्यागी, विजय सिंह, बृजेश सोलंकी , बबलू कश्यप, पीतांबर त्यागी , डॉक्टर वी के सक्सेना, वैभव पराशर, पुष्पलता सक्सेना आदि मौजूद रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया।

आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन के लिए एनसीआरटीसी को किया गया आईजीबीसी प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

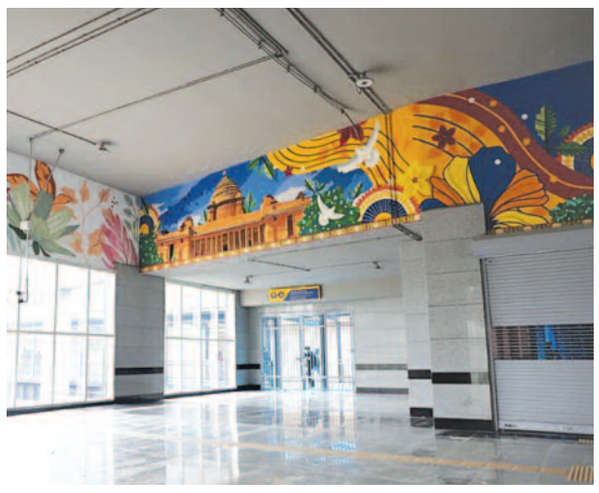

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी को आनंद विहार नमो भारत (भूमिगत) स्टेशन के लिए आईजीबीसी द्वारा प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित किया गया है। प्लेटिनम रेटिंग आईजीबीसी ग्रीन सर्टिफिकशन के तहत प्रदान की जाने वाली सर्वोच्च रेटिंग है। यह रेटिंग इस स्टेशन की पर्यावरणीय सततता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करती है।

यह उपलब्धि नमो भारत परियोजना में पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए एनसीआरटीसी द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दशार्ती है। एनसीआरटीसी ने सभी प्रमुख संस्थानों, जिनमें डिपो, स्टेशन, रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) और अन्य इमारतें शामिल हैं, को आईजीबीसी के साथ पंजीकृत किया है, जो सतत शहरी परिवहन को बढ़ावा देने के एनसीआरटीसी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस सर्टिफिकेशन के लिए परियोजना का आईजीबीसी ग्रीन मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम रेटिंग द्वारा परिभाषित छह पर्यावरणीय श्रेणियों में आकलन किया गया , जिनमें साइट का चयन और योजना, जल दक्षता, ऊर्जा दक्षता, सामग्री संरक्षण, आंतरिक पर्यावरण और यात्री आराम, तथा डिजाइन एवं निर्माण में नवाचार शामिल हैं।

एनसीआरटीसी ने इन श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य किया है, जिससे आनंद विहार स्टेशन को यह प्लेटिनम रेटिंग प्राप्त करने में मदद मिली है। परियोजना की अवधारणा से लेकर कार्यान्वयन तक, प्रत्येक चरण में सस्टेनेबिलिटी को शामिल किया गया है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने कई हरित प्रथाओं को अपनाया है, जिसमें कम कार्बन उत्सर्जित करने वाली निर्माण विधियों तथा ऊर्जा-कुशल प्रणालियों का प्रयोग, स्टेशनों का प्राकृतिक वेंटिलेशन के अनुरूप डिजाइन, वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करना शामिल है। नमो भारत वायडक्ट के नीचे लैंडस्केपिंग, निर्माण और संचालन दोनों के दौरान समग्र कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करता है। एनसीआरटीसी का लक्ष्य है कि इसकी कुल ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 70% नवीकरणीय स्त्रोतों से पूरा किया जाए।

इसके लिए अपनी सौर नीति के तहत, एनसीआरटीसी स्टेशनों, डिपो और अन्य भवनों की छतों पर 15 मेगावाट पीक इन-हाउस सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की योजना बना रहा है, जिसमें से 4.7 मेगावाट सौर ऊर्जा वर्तमान में उत्पन्न की जा रही है। साथ ही, ट्रैक्शन के लिए उपयोग की जाने वाली नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। आनंद विहार स्टेशन के लिए आईजीबीसी प्लेटिनम रेटिंग, पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति एनसीआरटीसी की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और वैश्विक पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप एक हरित और अधिक सतत भविष्य बनाने के इसके प्रयासों को दशार्ती है। सीआईआई के तहत एक स्वायत्त गैर-लाभकारी संगठन के रूप में वर्ष 2001 में स्थापित आईजीबीसी , पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सतत प्रथाओं और समाधानों को बढ़ावा देता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरेखित प्रथाओं के माध्यम से, आईजीबीसी कार्यालयों, इमारतों, कारखानों और बड़े पैमाने पर परिवहन प्रणालियों के लिए रेटिंग प्रदान करता है, जो संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देता है।

जूनियर और सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज एवं जिला एथलेटिक एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा किड्स, जूनियर और सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें जिला एथलेटिक एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष अजय प्रमुख , सेक्रेटरी लिखी राम चौधरी एवं विद्यालय के मैनेजर देवेंद्र कुमार त्यागी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया तथा बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आश्रम में अन्नकूट पर्व धूमधाम से मनाया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुतीश दीदी ने कहा अन्नकूट पर्व का आध्यात्मिक अर्थ परमात्मा से जुड़ना, सकारात्मकता और एकता बढ़ाना है। हम अन्नकूट को भौतिक भोजन के ढेर के बजाय एक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में देखते हैं, जो आत्मा की शक्ति और गुणों को फिर से प्राप्त करने का प्रतिनिधित्व करता है। इसे योग के माध्यम से परमात्मा से जुड़ने के अवसर के रूप में देखा जाता है, जिससे जीवन में आने वाली चिंताओं और दुखों से मुक्ति मिलती है।

मुख्य अतिथि मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा यह पर्व हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों से मुक्ति दिलाने का संदेश देता है, जो भौतिक वस्तुओं से जुड़ने के कारण उत्पन्न होती हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे पूर्व महापौर आशू वर्मा ने कहा यहां आकर विशेष शान्ति का अनुभव होता है, सभी को हफ्ते में कम से कम एक बार अवश्य आकर भगवान शिव की याद में ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ संजीव शर्मा ने सभी को गोवर्धन पर्व की शुभ कामनाएं दी। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी के हनुमान ने आश्रम द्वारा मानवता के लिए किए गए कार्यों की सराहना की।

गाजियाबाद व्यापार मंडल के अध्यक्ष बाल किशन बालू ने कहा यह पर्व एकता और अखंडता का प्रतीक है। कार्यक्रम में चित्रकूट जिले के जज त्रिपाठी, एडीएम अनिल कुमार, गोल्ड मेडल विजेता सत्तन यादव, समाजसेवी राकेश मोहन सिंघल, राजनगर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सीए दिनेश कुमार गोयल, पूर्व अध्यक्ष आर के जैन, पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दीपक कांत गुप्ता, हिन्द आत्मा के संपादक अशोक कौशिक, समाजसेवी के पी गुप्ता पार्षद मिथलेश तितोरिया, पार्षद अजीत निगम, पंडित अशोक भारतीय, मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, इनमेंटक कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ राकेश चावला, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, राजनगर मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, समाजसेवी विशंभर शर्मा, पर्यावरणविद आकाश वशिष्ठ, पैराडाज क्लब की संस्थापक मेघना बंसल, समाजसेवी डॉ हरीश शर्मा आदि ने अपने-अपने विचार प्रकट किया और सभी को अन्नकूट पर्व की शुभकामनाएं दी।

मंच संचालन भाजपा जिला प्रतिनिधि विनीत शर्मा द्वारा किया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी राजेश दीदी, ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी, ब्रह्माकुमारी गुंजन दीदी, ब्रह्मा कुमारी देवीना दीदी, ब्रह्माकुमारी रंजना दीदी, ब्रह्मा कुमारी चंचल दीदी ने सभी अतिथियों का प्रतीक चिन्ह व पटके द्वारा स्वागत अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय भाई, चेतन भाई, विनय भाई, कुमकुम बहन, महेश भाई, रजनी बहन, मनोज भाई, परमेंद्र त्रिपाठी, हरीश राजोरा, संजीव गुप्ता, मनीष मित्तल, बी सी बंसल, मनोज कुमार गिरी, अभिजीत मुखर्जी, आर सी शर्मा, मुकेश शर्मा, मनोज सिंह, संदीप सिंह, श्रीचंद चौहान, अंकित त्यागी, जुगनू ठाकुर, अजय राघव, नवीन पंडित, देवेंद्र विरमानी, जगजीत कुमार, अर्जुन भाई, रामकिशन भाई, सुभाष भाई, दलजीत भाई, विकास भाई, अशोक भाई, प्रभाकर भाई आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

गरीब देशों को बना रहे हैं ई-कचरे का स्टोर हाउस

यह विचित्र है कि दुनिया के धनी देश अपने यहां तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर सजग दिखते हैं, लेकिन गरीब देशों को उन्होंने कचरापट्टी का ठिकाना समझ लिया है। अगर कोई भी देश अपने यहां सामान्य गंदगी से लेकर ई-कचरे तक का ढेर नहीं लगने देता है, साफ-सफाई और पुनर्चक्रण का बेहतर इंतजाम करता है, तो यह स्वाभाविक है। मगर यह समझना मुश्किल है कि बहुत सारे अमीर देश अपने कचरे को ठिकाना लगाने के लिए विकासशील या गरीब देशों में ही क्यों भेज देते हैं। इस संबंध में लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं और बताया गया है कि जिस मात्रा में विकसित देशों का कचरा विकासशील देशों में भेजा जा रहा है, उसके गंभीर खमियाजे सामने उठाने पड़ेंगे। संबंधित सरकारों को इसे रोकने के लिए हर स्तर पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। मगर इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई देशों की ओर से तीखा विरोध उभरने के बावजूद आज भी अमीर देशों ने अपना ई-कचरा विकासशील देशों में भेजा जाना जारी रखा है। इस संबंध में पर्यावरण पर नजर रखने वाली संस्था बासेल एक्शन नेटवर्क यानी बीएएन ने बुधवार को जारी अपनी एक रपट में कहा है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रानिक सामग्री दूसरे देशों में भेजी जा रही है, जिनमें से अधिकतर दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिन देशों में ये खतरनाक ई-कचरे भेजे जा रहे हैं, वे इसके सुरक्षित रूप से निस्तारण के लिए तैयार नहीं हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि ये घातक कचरे जिन देशों में भेजे जा रहे हैं, वहां की आबोहवा किस हद तक प्रभावित होगी और उसका आम लोगों के जीवन पर कितना घातक असर पड़ेगा। बीएएन की रपट के मुताबिक, दो वर्ष तक हुई जांच में यह पाया गया कि कम से कम दस अमेरिकी कंपनियां इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रानिक सामान को एशिया और पश्चिम एशिया के देशों में भेजी जाती पाई गई हैं। इलेक्ट्रानिक कचरे में फोन, कंप्यूटर जैसे खराब और फेंके गए उपकरण हैं, जिनमें सीसा, कैडमियम और मरकरी जैसी कीमती सामग्री से लेकर विषाक्त धातु भी शामिल हैं। गौरतलब है कि बेसल समझौते के तहत केवल उसी तरह के कचरे को एक से दूसरे देश ले जाने की इजाजत है, जो पुनर्चक्रित होने, दोबारा इस्तेमाल में आने के साथ-साथ जहरीला और पर्यावरण के लिए हानिकारक न हो। यह जगजाहिर है कि इलेक्ट्रानिक सामान की दुनिया में कितनी तेजी से नए यंत्र सामने आ रहे हैं। किसी यंत्र का नया संस्करण के आने के बाद कुछ समय के भीतर ही बड़ी तादाद में पुराने यंत्र कचरे में तब्दील हो जाते हैं। यही वजह है कि वैश्विक पैमाने पर पुनर्चक्रण के मुकाबले ई-कचरे में पांच गुना तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

राहुल गांधी की नाकाम राजनीति, साख और कांग्रेस का समर्थन दरक रहा

पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 15 अगस्त, 2011 को लाल किले की प्राचीर से कहा था कि देश की तरक्की में भ्रष्टाचार सबसे बड़ी बाधा है, लेकिन इससे निपटने के लिए उनके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है। मनमोहन सरकार में भ्रष्टाचार के एक से बढ़कर एक बड़े मामले सामने आए थे। इनमें 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन से लेकर राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में घोटाले के मामले सुर्खियों में छाए रहे। इस पर जब उनसे सवाल किया जाता तो वह कहते कि गठबंधन सरकारों की अपनी कुछ मजबूरियां होती हैं। केंद्र में जब उनकी सरकार बदली तो भ्रष्टाचार से निपटने का रवैया भी पूरी तरह बदल गया, बल्कि यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि भ्रष्टाचार पर उनका लचर रवैया भी केंद्र में सत्ता परिवर्तन का एक कारण बना। नरेन्द्र मोदी ने देश की कमान संभालने के पहले ही कह दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। मोदी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने इस संकल्प को बार-बार दोहराया भी। उन्होंने 2016 में कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की कोशिश में जुटी हुई है और मैं भ्रष्टाचार को जड़ से मिटा कर ही दम लूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तरह कथित राजनीतिक विवशता का रोना न रोते हुए मोदी देश में नई प्रशासनिक संस्कृति की नींव डाल रहे हैं। मोदी सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से परेशान कांग्रेस समेत एक दर्जन से अधिक राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की कि केंद्र सरकार सीबीआइ, ईडी और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। सवाल है कि यदि दुरुपयोग हो रहा है तो अदालतें हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रही हैं? भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार के कोई समझौता न करने वाले रवैये के कारण ही नेहरू-गांधी परिवार को यह अहसास हुआ है कि उन्हें ऐसे मामलों में कोई राहत नहीं मिलने वाली। ध्यान रहे कि नेशनल हेराल्ड से संबंधित मुकदमा सुब्रमण्यम स्वामी की जनहित याचिका के आधार पर मनमोहन सिंह के शासनकाल में ही शुरू हुआ था। नेहरू-गांधी परिवार ने शायद सोचा होगा कि मोदी सरकार में उन्हें इस मामले में रियायत मिल सकती है, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों इस केस में जमानत पर हैं। उनका सत्ता में लौटने का सपना भी दूर-दूर तक पूरा होता नहीं दिख रहा। इस निराशा से उपजी कुंठा के कारण ही राहुल गांधी का अपनी वाणी पर कोई संयम नहीं रह गया है। उन्होंने सत्य और असत्य का भेद मिटा दिया है। वे मोदी के खिलाफ धमकी, गाली-गलौज और अत्यंत अशिष्ट शब्दों का इस्तेमाल करने से भी गुरेज नहीं करते। इसके चलते उन्हें कई मुकदमों का भी सामना करना पड़ रहा है, लेकिन लगता है कि उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं। उन्हें इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि उनके ऐसे रवैये से राजनीतिक विमर्श का स्तर रसातल में ही क्यों न चला जाए या संसद की गरिमा तार-तार हो जाए। अपने बड़बोलेपन में उन्हें यह भी अहसास नहीं रहता कि वे क्या कह रहे हैं। कभी वे भारतीय राज्य पर सवाल उठाते हैं कि भारत राष्ट्र न होकर महज राज्यों का एक संघ है तो कभी कहते हैं कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा-आरएसएस से ही नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट यानी भारतीय राज्यव्यवस्था से है।

सैनिक की बुद्धि और तकनीक से भारत ने तैयार की निर्णायक रक्षा क्षमता

21वीं सदी के युद्ध अब केवल बंदूकों और तोपों की ताकत से नहीं, बल्कि तकनीक, गति और सटीकता से तय हो रहे हैं। ड्रोन, स्मार्ट हथियार, सॉफ्टवेयर-आधारित रेडियो और सैटेलाइट निगरानी जैसे साधन अब आधुनिक युद्ध का चेहरा बदल रहे हैं। इसी दिशा में भारत ने दो बड़े कदम उठाए हैं– पहला, थलसेना के पैदल सैनिकों का तेजी से आधुनिकीकरण और दूसरा- रक्षा मंत्रालय की ओर से 79,000 करोड़ रुपये की नई रक्षा खरीद को मंजूरी। ये दोनों फैसले मिलकर भारत की सामरिक दिशा और उसकी सुरक्षा नीति का नया चेहरा पेश करते हैं।

भारतीय थलसेना, जो 11.5 लाख जवानों की सबसे बड़ी शाखा है, लंबे समय से आधुनिक उपकरणों की कमी से जूझ रही थी। अब सेना इन 382 इन्फैंट्री बटालियनों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में जुटी है। इसमें नए स्नाइपर राइफल्स, मशीनगन, कार्बाइन, टैंक-रोधी मिसाइलें, और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड रेडियो सिस्टम शामिल हैं। साथ ही, सेना ने भैरव नाम से नई लाइट कमांडो इकाइयाँ और आशनी नाम से ड्रोन प्लाटून भी खड़ी की हैं। यह बदलाव दिखाता है कि भारत अब अपनी पारंपरिक सैन्य क्षमता को टेक्नोलॉजी से जोड़कर एक नई शक्ति-संतुलन रचना चाहता है।

थलसेना के इन्फैंट्री प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने हाल ही में कहा कि अब ध्यान lethality, mobility, trasparency और survivability" पर है। इसका सीधा मतलब है कि अब हर पैदल सैनिक को एक 'weapon system' के रूप में देखा जा रहा है यानी सैनिक केवल आदेश पालन करने वाला नहीं, बल्कि एक सशक्त डिजिटल योद्धा है। शूट-टू-किल की नई रणनीति के साथ 7.62 मिमी की राइफलें और .338 स्नाइपर राइफलें सेना के हाथ में दी जा रही हैं। यह बदलाव केवल हथियारों का नहीं, बल्कि मानसिकता का भी संकेत है कि अब भारतीय सेना प्रतिरोध नहीं, निर्णायक आक्रमण की सोच रखती है।

दूसरी ओर, रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में 79,000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें थलसेना के लिए Nag Missile System (NAMIS Mk-II), Ground-Based Mobile ELINT System, और High Mobility Vehicles शामिल हैं। नौसेना के लिए Landing Platform Docks, Naval Surface Guns, और Advanced Light Weight Torpedoes, जबकि वायुसेना के लिए Long Range Target Destruction Systems जैसी परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। यह सभी परियोजनाएँ मिलकर भारत की तीनों सेनाओं को आधुनिक युद्ध के हर मोर्चे पर सक्षम बनाने जा रही हैं।

इस रक्षा खरीद की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसका अधिकांश भाग मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी उत्पादन पर आधारित है। भारत न केवल आयात पर निर्भरता घटा रहा है, बल्कि अब खुद रक्षा उत्पादन का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। Bharat Forge, Adani Defence-Israel JV जैसे साझेदार इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल घरेलू रक्षा उद्योग को बल मिलेगा, बल्कि भारत वैश्विक रक्षा बाजार में भी प्रतिस्पर्धी स्थिति हासिल कर सकेगा।

अब सवाल है कि इन निर्णयों का सामरिक अर्थ क्या है? देखा जाये तो सबसे पहले, यह कदम भारत के लिए द्वि-मोर्चा सुरक्षा तैयारी को मजबूत करता है। चीन और पाकिस्तान दोनों से एक साथ संभावित चुनौती की स्थिति में अब भारतीय सेना के पास तेज और निर्णायक प्रतिक्रिया की क्षमता होगी। दूसरा- ड्रोन, एंटी-टैंक मिसाइल और डिजिटल नेटवर्क जैसी तकनीकें सीमित सैनिक बल से भी अधिकतम प्रभाव पैदा कर सकती हैं। तीसरा- यह कदम भारत को वैश्विक सुरक्षा भागीदारों के बीच एक टेक्नोलॉजिकल मिलिट्री पॉवर के रूप में स्थापित करता है।

सामरिक दृष्टि से यह आधुनिकीकरण दक्षिण एशिया में शक्ति-संतुलन को भी बदल सकता है। जहां चीन अपनी सेना को अकवॉरफेयर और स्वायत्त हथियारों से लैस कर रहा है, वहीं भारत ने एक व्यावहारिक रणनीति अपनाई है– मानव और मशीन का संयोजन। भारत न तो पूरी तरह स्वचालित युद्ध की ओर भाग रहा है, न ही पारंपरिक सोच में अटका हुआ है। वह एक संतुलित मॉडल बना रहा है, जिसमें सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति मिलकर निर्णायक क्षमता तैयार करती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत के यह कदम केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक संकेत भी हैं। जब भारत सीमाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया, हाइब्रिड वॉरफेयर और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के लिए नए सिस्टम तैयार कर रहा है, तो यह केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए संदेश है कि दक्षिण एशिया में अब भारत "Security Provider" की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्मपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 39

गतांक से आगे ....

परन्तु राजा को कैसे अहिंसा में रहना चाहिए। परन्तु यह प्रश्न बड़ा विचित्र आता है। राजा जहाँ यह चाहता है कि राष्ट्र को विशाल बनाऊं, वहीं यह है कि मैं अस्त्रों-शस्त्रों में पारायण हो करके, अपने में बलिष्ट बन करके दुष्टों को दण्ड देने वाला बनूं, तो राजा के हृदय में नाना प्रकार की कल्पना जागृत होती रहती है। हमारे हृदय में भी, विचारकों के हृदय में भी यह प्रायः नाना प्रकार के अवन्दनीय विचार आते रहते हैं और यह विचारते रहते हैं। राजा कैसे अपने में अहिंसा परमोधर्मी बन सकता है?

तो राजा राम को महाराजा विश्वामित्र ने वर्णन कराया कि राजा के हृदय में सत्य और प्रजा की रक्षा की भावना होनी चाहिए। वह जो रक्षा की भावना है वह सतोगुण आध्यात्मिकवाद और दर्शनों से और विचारों से इसका समन्वय रहता है परन्तु राजा के राष्ट्र में यह होना चाहिए। जब राजा के हृदय में शान्ति नहीं रहेगी, पद की लोलुपता नहीं रहेगी, और क्रांति नहीं रहेगी, इसे वह ईश्वर की धरोहर स्वीकार करता है; तो राजा यहाँ आकर के अहिंसा परमोधर्मा बन जाता है।

जब तक नहीं जानेगा, कि यह राष्ट्र की धरोहर है मैं तो केवल कर्त्तव्य करने को आया हूँ। जब प्रत्येक मानव अपने में यह स्वीकर कर लेता है कि यहाँ मैं अपने कर्त्तव्य का पालन करने के लिए आया हूँ यज्ञमान अपनी यज्ञशाला में विद्यमान होकर के अग्नि के मुखार बिन्दु में नाना प्रकार का साकल्य प्रदान कर रहा है, केवल यही इच्छा रहती है, यह जो विचार है मेरे हृदय में जो स्वाहा उच्चारण कर रहा हूँ

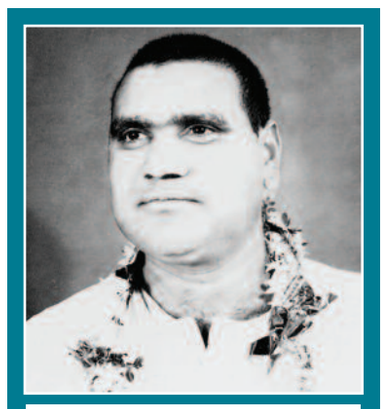

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

इसमें मेरा आध्यात्मिकवाद हो रहा है। मन कर्म एकाग्र करके अपने शब्दों को द्यौ-लोक में पहुंचा रहा हूँ, द्यौ-लोक से शुद्धिकरण हो करके वह प्रजा के हितकर होता है। वह एक माला बना रहा है निःस्वार्थ। इसका स्वार्थ नहीं पड़ता है। वह चाहता है कि वेद-मन्त्रों की एक माला बना करके अपने कण्ठ में धारण करने वाला बनूं और याज्ञिक भी। प्रत्येक स्वाहा मेरा जो शब्द है, इस एक-एक शब्द का मनका बन करके और अन्तरिक्ष में अग्नि की धाराओं पर विद्यमान हो करके समाज महान बन जाए। तो यज्ञमान जैसी कल्पना कर रहा है, इसी प्रकार यज्ञमान जानता है कि अग्नि स्वरूप प्रभु है। वह महान है, मुझे उसकी धाराओं को अपने में धारण करना है और मनकों के सूत्रों से मैं इसको भोगने वाला बनूं। महाराजा विश्वामित्र प्रातःकालीन जब याग करने के पश्चात् इस प्रकार की धारणा देते थे, कि नाना प्रकार का साकल्य अग्नि में परिणत कर रहे हैं और अग्नि में परिणत हो करके, अग्नि तो इसकी माला बना देती है। वाह रे प्रभु! तेरा विज्ञान कितना पवित्र है प्रत्येक शब्द माता के रूप में भ्रमण कर रहा है। प्रत्येक शब्द मानव के आकार के रूप में परमाणुओं में भ्रमण कर रहा है। तो महाराजा विश्वामित्र धनुर्याग सम्बन्धी प्रातःकालीन चचाएं करते रहते थे। राजा अहिंसा परमोधर्मी उस काल में बनता है, उस समाज के कर्त्तव्य का पालन करने के लिए वह प्रभु की इच्छा स्वीकार करता है कि यह प्रभु मेरा देव है और मैं प्रभु का आश्रित हूँ। यह प्रजा, यह राज्य प्रभु का है मैं भी प्रभु का हूँ। मैं सदैव कर्त्तव्यवाद में रत्त रहूँ और कर्त्तव्यवाद मेरी भूमिका बन जाए। मेरा हृदय भी कर्त्तव्यवादी बन करके बाह्य जगत से मिलान करके दोनों मनकों को एक सूत्र में पिरोकर के इस संसार से पार हो जाना चाहिए। तो विचार क्या महाराजा विश्वामित्र धनुर्याग कराते रहे। उन्होंने धनुर्याग का अभ्यास कराया। महाराजा विश्वामित्र ने राम को और लक्ष्मण को दोनों की दीक्षा दी। प्रवचन सन्दर्भ 12-03-1987 क्रमशः

गजल में इस्लाह और गुरु-शिष्य परम्परा का महत्व

उर्दू शाइरी में गुरु-शिष्य परम्परा शुरू से ही देखने को मिलती रही है। गुरु अपने शिष्य (शागिर्द) की रचना पर इस्लाह (संशोधन) तो करता ही था, साथ ही साथ यह भी बताता था कि गजल में क्या कहना चाहिए और क्या नहीं कहना चाहिए। वह यह भी बताता था कि कौन-से विषय गजल के हैं और कौन-से गजल के न होकर नज्म के हैं। तब यह नहीं होता था जैसे आज हो रहा है। आज नज्म के विषयों पर धडल्ले से गजल के शे'र कहे जा रहे हैं। उनके इस कृत्य से गजल जैसी नाजनीन (सुकुमारी) का चेहरा कितना विकृत हो रहा है, इस पर तथाकथित नव-प्रयोगवादी ध्यान ही नहीं दे रहे हैं और अपनी धुन में गजल की अस्मिता को दॉव पर लगा रहे हैं। कभी 'मुसल्सल (निरन्तर, अनवरत) गजल' के नाम पर तो कभी पुरानी सीमाओं को तोड़कर नव-प्रयोग के नाम पर गजल की गजलीयत तो गायब की ही जा रही है, गजल को विकृत भी किया जा रहा है। जबकि 'मुसल्सल गजल' जैसी कोई बीमारी गजल में कभी थी ही नहीं। मीर तकी 'मीर' से लेकर साहिर लुधियानवी तक के तमाम शाइरों के दीवानों (गजल संग्रहों) को खँगाल लीजिये कहीं आपको यह 'मुसल्सल गजल' की बीमारी नजर नहीं आएगी; फिर अचानक यह आ कहाँ से गयी? दरअस्ल, गुरु के अभाव में बेलगाम हुए शिष्य कुछ भी लिखने लगे, कोई रोकने-टोकने वाला जो नहीं रहा। गुरु की गैरहाज़िरी (अनुपस्थित) में गजल पर गीतात्मकता का रंग भी चढ़ने लगा है। गीतात्मकता के रंग में रँगी और नज्म के विषयों पर कहे अश्आर से तैयार गजल का चेहरा ऐसा लगने लगा है जैसे किसी महिला के चेहरे पर नवप्रयोग के नाम पर मूँछ-दाढ़ी लगाकर पेश किया जा रहा हो अथवा किसी पुरुष को उसके कानों में झुमके पहनाकर और उसकी माँग को सिंदूर से सजाकर पेश किया जाए। कल्पना कीजिए कि जब ऐसी महिला या पुरुष आपके सामने आएँगे तो कैसे लगेंगे?

आज इलेक्ट्रानिक-मीडिया की क्रांति के बाद गुरु-शिष्य की यह परम्परा समाप्त ही होती जा रही है। अब लोग सोशल-साइटों पर बने ग्रुप्स अथवा गूगल-बाबा के ज्ञान के सहारे अपना ज्ञान बढ़ा रहे हैं और शान से कह रहे हैं कि 'अपना कोई गुरु नहीं है' अथवा 'हमें किसी गुरु की जरूरत नहीं है'। ऐसे लोग किसी अच्छे गुरु की शरण में जाएँ या न जाएँ, इसके लिए वे पूरी तरह से स्वतंत्र हैं मगर शाइरी को प्रदूषित करने का उनका कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ऐसे गुरु-विहीन लोगों से पूछा जा सकता है कि पुस्तकों को पढ़ने और गूगल पर तलाशने से ही ज्ञान मिल जाता है तो लोग अपने बच्चों को मोटी-मोटी फीस भरकर स्कूलों में पढ़ने के लिए क्यों भेजते हैं? खैर---।

जैसा कि हम शुरू में ही बता चुके हैं कि उर्दू शाइरी में इस्लाह (संशोधन) का बहुत अधिक प्रचलन रहा है।

उस्ताद बनाने और इस्लाह लेने की संस्कृति के पक्षधर कहते हैं कि शे'र कहना उतना मुश्किल नहीं होता, जितना कि उसका समझना। लगन और परिश्रम के बलबूते पर किसी बह्र में शे'र कहने का अभ्यास तो हो सकता है, किन्तु शे'र को समझना, परखना, उसकी अच्छाई-बुराई, खूबी और ऐब पर आलोचनात्मक दृष्टि पड़ना बहुत मुश्किल है। यदि नीर-क्षीर दृष्टि सौभाग्य से प्राप्त हो भी जाए तो शे'र के ऐबों को निकालकर उसे चमका देना हर शाइर से संभव नहीं है। सोने के खरे-खोटे की तो परख सर्राफ कर सकता है परन्तु उसका खोट निकालकर उसे शुद्ध बनाना उसके वश का काम नहीं है, यह काम सुनार ही कर सकता है।

इस्लाह देने की क्षमता केवल छन्दशास्त्र, अलंकार साहित्य आदि में पारंगत होने से नहीं आती, अपितु उसके लिए शाइराना सूझबूझ, स्वानुभव और विवेक-बुद्धि भी अत्यन्तआवश्यक है। इस्लाह से न केवल शागिर्द ही को लाभ पहुँचता है, अपितु उस्ताद का अभ्यास भी बढ़ता है और उत्तरोत्तर उसके काव्य-कौशल में निखार आता रहता है तथा नयी-नयी बातों की जानकारी के लिए अध्ययन की भी प्रवृत्ति बढ़ती जाती है ताकि वह अपने शिष्यों को इस कला में पारंगत कर सके। उस्ताद-शाइरों के मुद्रित कलाम से यह तो ज्ञात हो सकता है कि वे स्वयं क्या कहते थे और कैसा कहते थे? किन्तु उनकी समालोचक दृष्टि और सूझबूझ का अनुमान तो उन द्वारा दी गयीं इस्लाहों को देख-पढ़कर ही हो सकता है कि शागिर्द ने क्या कहा और उस्ताद ने तनिक-से संशोधन से उसे क्या-से-क्या बना दिया।

गजलकार देवेंद्र मांझी

कुछ महानुभाव इस्लाह को शिष्य के लिए अहितकर मानते हैं। उनका कहना है कि 'इस्लाह के बन्धन से शिष्य अपने स्वयं के विचार व्यक्त नहीं कर पाता और वह उस्ताद का अंध अनुकरण करने लगता है। वह अपनी कल्पनाओं, उपमाओं को व्यक्त करने की क्षमता खोकर उस्ताद का आश्रित हो जाता है।'

हमारा मानना है कि यह उनकी भ्रामक धारणा है। पक्षी, पशु, मानव सभी प्रारंभिक अवस्था में अपने से समर्थ एवं अनुभवियों से शिक्षित-दीक्षित होने के लिए बाध्य हैं। पक्षी अपने माँ-बाप से खाना-पीना और उड़ना सीखते हैं, तभी वे स्वतंत्र बिहार करने की स्थिति में आते हैं। पशु भी अपने शिशुओं को चूम-चाटकर, दूध पिलाकर अपने पाँवों पर खड़ा होना सिखाते हैं और मानव तो जन्म से मृत्यु तक अपने-परायों से कुछ-न-कुछ सीखता ही रहता है।

मीर, गालिब, मोमिन, जौक, मुसहफी और इकबाल जैसे शाइरों ने भी अपने उस्तादों से इस्लाहें लेकर अपनी शाइरी को निखारा; किन्तु कौन कह सकता है कि वे अपने स्वानुभव व्यक्त न करके उस्ताद का ही अनुसरण करते रहे तथा स्वावलंबी न होकर परमुखापेक्षी बने रहे? मिर्जा दाग जैसे रंगीन और शोख उस्ताद के लगभग दो हजार शिष्य थे। जिन शिष्यों का उनके रंग से रुझान था, केवल वे ही उनके रंग में कहते रहे, किन्तु अल्लामा इकबाल, सीमाब अकबराबादी, जिगर मुरादाबादी, जोश मलसियानी भी तो उन्हीं के शिष्य थे, वे क्यों अपनी अलग डगर चुन पाए? हमारे कहने का अभिप्राय केवल इतना ही है कि इस्लाह तो ऐसी रौशनी है जिसका प्रकाश शिष्य को अपने गन्तव्य स्थान तक पहुँचाने में सहायक हो सकता है। अब कोई नासमझ रौशनी से उजागर होने वाली झाड़-झंखाड़ों में अपने को फँसा ले, कुएँ में कूद पड़े या पर्वत से लुढ़क पड़े तो उस प्रकाश का क्या दोष (?), जो प्रकाश आँखों की रौशनी के लिए बहुत जरूरी है। खाना आदि बनाने के लिए अग्नि की अत्यन्त आवश्यकता है लेकिन कोई उसमें अपने हाथ या कपड़े जला ले तो इसमें अग्नि का क्या कुसूर? ऐसी स्थिति में तो उस आदमी को ही जाहिल कहा जाएगा जिसने अपने हाथ या कपड़े जलाये हैं।

एक बात और! अधकचरे उस्ताद से इस्लाह लेना किसी नीम-हकीम को अपनी नाड़ी दिखाने के समान है। इस्लाह देना बहुत बड़ा कौशल है। अतः सदैव प्रामाणिक एवं सिद्धहस्त उस्ताद से ही मशवरए-सुखन (साहित्यिक विचार-विमर्श) लेना चाहिए ताकि शाइरी का वास्तविक मर्म समझ में आ सके और इस क्षेत्र में निपुणता प्राप्त की जा सके। योग्य उस्ताद से इस्लाह लेने विचार परिष्कृत होते हैं। शाइरी के सूक्ष्म से सूक्ष्म तत्त्वों का ज्ञान होता है और अनेक रहस्यों तथा बारीकियों का पता चलता है। 'राज' अहसनी स्वयं उस्तादी का मर्तबा रखते हैं। उनका यह शे'र--

हमारे आशियाँ से आस्मां तक रोक ही क्या थी
बलाए-बर्क.से महफूज क्योंकर आशियाँ करते?

देखने में तो शे'र बहुत अच्छा है किन्तु बाबाए-उर्दू 'जोश' मलसियानी-जैसे वयोवृद्ध और सिद्धहस्त की आलोचक दृष्टि से शेर की यह तनिक-सी खामी छुपी न रह सकी। बिजली आसमान से जमीन पर गिरती है। अतः बिजली के रवानगी के स्थल का उल्लेख पहले और मंज़िल पर पहुँचने का बाद में होना चाहिए था। अतः उन्होंने पहले मिस्रे को इस तरह परिवर्तित करा दिया---

रुकावट कौन-सी थी चर्ख.से शाखे-नशेमन तक

(चर्ख=आसमान। शाखे-नशेमन=वह शाख या टहनी जिसपर घोंसला रखा हो)

स्वानुभव की कमी के कारण कभी-कभी ऐसी भूलें हो जाती हैं कि अच्छे-अच्छे उस्ताद भी उन स्वाभाविकताओं को नहीं भाँप पाते। 'अहसन' माहरहरवी मिर्जा 'दाग' के योग्य शिष्य थे। शिष्यों की डाक द्वारा आई हुई गजलों को अक्सर वे पढ़कर मिर्जा 'दाग' को सुनाते थे और जो इस्लाह उस्ताद फमार्ते थे, उसे लिखकर शिष्यों के पास भिजवा देते थे। ऐसे दक्ष शागिर्द ने जब अपना यह शे'र इस्लाह के लिए पेश किया---

किसी दिन बेखुदी में जा पड़े थे उनके सीने पर
बस इतनी-सी खता पर हाथ कुचले उसने पत्थर से

(बेखुदी=बेखबरी, अचैतन्य, कहीं और ध्यान होने की वजह से)

मिर्जा 'दाग' के पास बैठी हुई तवायफ शे'र सुनकर मुस्कुराई। 'अहसन' तो बेचारे मौलाना और जाहिदे-खुश्क (ऐसा नीरस संयमी अथवा विषय-विरक्त जप-तप करनेवाला, जिसके मन में विषय-भोग के प्रति जरा भी उदारता न हो) थे। तवायफ की मुस्कान का रहस्य समझना उनकी समझ से बाहर था किन्तु मिर्जा 'दाग' जैसा स्वानुभवी तुरन्त भाँप गया। तब फमार्या 'बेखुदी में एक ही हाथ सीने पर पड़ना मुमकिन है, दोनों हाथ तो अनजाने में नहीं जान-बूझ कर ही पड़ते हैं।' शे'र को यूँ ठीक कर लीजिये---

किसी दिन बेखुदी में जा पड़ा था उनके सीने पर
बस इतनी-सी खता पर हाथ कुचला उसने पत्थर से

मिर्जा सुलेमान जाह 'अंजुम' उस्ताद हैदरअली तबाताबाई 'नज्म' से अपनी गजल पर इस्लाह लेकर जा रहे थे कि रास्ते में नवाब अख़्तर महल बेगम को सलाम करने के लिए उनके दौलतखाने पर चले गये। बेगम साहिबा शाइरा तो न थीं, हाँ सुखन-फहम (कविता यानी शाइरी के गुण-दोष समझने वाली, काव्य-मर्मज्ञ) जरूर थीं। ताजा गजल सुनाने की फर्माइश पर अंजुम साहब ने अपनी इस्लाहशुदा गजल पढ़नी शुरू की। जब यह शे'र पढ़ा---

दम मेरा निकला तेरे वादे के साथ
तेरी घबराई हुई हाँ की तरह

तो बेगम ने मुस्कुराते हुए पूछा---'क्या उसने घबराकर कहा था कि 'हाँ' ?' फिर फमार्या यूँ पढ़िए-

तेरी शरमाई हुई हाँ की तरह

दरअस्ल, उस्ताद ने इस्लाह तो दे दी परन्तु नारी सुलभ इस अदा का अनुभव न होने से मात खा गये। शे'रो-शाइरी ऐसा असीम सागर है, जिसमें अच्छे-अच्छे तैराक गोते खा जाते हैं।

इस लेख को यहाँ प्रस्तुत करने का उद्देश्य यह है कि शाइरी करने वाले अधिक से अधिक अनुभव प्राप्त करें और योग्य उस्ताद से इस्लाह लें तो शाइरी फर्श से अर्श (जमीन से आसमान) तक पहुँच सकती है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

अब उत्सव के रूप में होगा मजदूरों की बेटियों का विवाह संपन्न, सरकार देगी आर्थिक सहायता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने 'कन्या विवाह सहायता योजना' में नए बदलाव की घोषणा की है। इस योजना का मकसद निर्माण श्रमिकों के परिवारों के लिए वित्तीय राहत, सामाजिक सुरक्षा और खुशियों भरे उत्सव सुनिश्चित करना है। अब बेटी का विवाह केवल एक जिम्मेदारी या बोझ नहीं, बल्कि परिवार और समाज के लिए एक खुशियों भरा अवसर बनेगा।

योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिक या उनकी विवाह योग्य पुत्री/महिला श्रमिक लाभार्थी होंगे। इसके लिए श्रमिक की बोर्ड में कम से कम 1 वर्ष की सदस्यता होना जरूरी है। विवाह के लिए न्यूनतम आयु पुत्री के लिए 18 वर्ष और वर के लिए 21 वर्ष तय की गई है। यह सुनिश्चित करता है कि योजना सही और योग्य परिवारों तक पहुंचे और विवाह विधि-सम्मत तथा सामाजिक मान्यताओं के अनुसार संपन्न हो।

आवेदन प्रक्रिया भी सरल और आसान बनाई गई है। विवाह सम्पन्न होने के 6 महीने के भीतर आवेदन किया जा सकता है। सामूहिक विवाह में आवेदन विवाह से 15 दिन पहले किया जा सकता है। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज आधार, जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर या राशन कार्ड, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, पिछले 12 महीनों में काम का प्रमाण और शपथ पत्र देय होगा।

योजना के तहत आर्थिक मदद भी काफी असरदार है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की बेटियों या पंजीकृत महिला श्रमिकों के विवाह के लिए 65,000 रुपये सहायता दी जाएगी। यह राशि सीधे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को कम करेगी और बेटी के विवाह को सुखद और तनावमुक्त बनाएगा। यदि विवाह अंतजार्तीय है, तो सहायता की राशि बढ़कर 75,000 रुपये होगी। सामूहिक विवाह में, जहाँ 11 जोड़े या अधिक एक साथ विवाह करते हैं, पुत्री के विवाह के लिए 85,000 रुपये सहायता प्रदान की जाएगी। इससे सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन मिलेगा और खर्च भी साझा होने के कारण परिवारों पर कम बोझ पड़ेगा।

सामूहिक विवाह के आयोजन के लिए प्रति जोड़े 15,000 रुपये अतिरिक्त खर्च भी सरकार देगी। यह राशि आयोजन की सजावट, भोजन, मंच, ध्वनि और अन्य सुविधाओं के लिए मदद करेगी। सामूहिक विवाह में शामिल व्यवस्थाएँ भी पूरी की जाएंगी। इनमें जयमाला और सेहरा, पगड़ी और चुनरी, पुजारी/मौलवी का पारिश्रमिक, मंच और पंडाल की सजावट, ध्वनि और वीडियो व्यवस्था, भोजन और नाश्ते की सुविधा, अतिथियों के लिए जलपान और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल है।

योजना केवल दो बेटियों तक लागू होगी। महिला श्रमिक के पुनर्विवाह में लाभ तभी मिलेगा जब तलाक हुआ हो या पति की मृत्यु हो गई हो। यदि कोई झूठा दस्तावेज या तथ्य छिपाकर लाभ प्राप्त करता है, तो राशि की वसूली भू-राजस्व के माध्यम से की जाएगी। आवेदन का सत्यापन जॉच अधिकारी और श्रम प्रवर्तन अधिकारी करेंगे। अनुमोदन के बाद 15 दिन के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते या आधार से किया जाएगा।

यह संशोधन निर्माण श्रमिकों के परिवारों के लिए बड़ी राहत और उत्सव साबित होगा। अब उनके लिए बेटी का विवाह केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि खुशियों और सांस्कृतिक उत्सव का अवसर बनेगी। आर्थिक मदद, आसान प्रक्रिया, सामूहिक विवाह और पारदर्शिता के साथ यह योजना निर्माण श्रमिकों के जीवन स्तर और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने का एक सशक्त कदम है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर बागपत में भारतीय जनता पार्टी निकालेगी यूनिटी मार्च

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई ने बागपत जनपद में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च निकालने की योजना बनाई है। अभियान 31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें कई शैक्षणिक प्रतियोगिताएं, स्वच्छता अभियान और अन्य सेवा कार्य आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जशंवत सैनी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि केंद्र सरकार की ओर से सरदार पटेल की 150वीं जयंती को देश भर में यूनिटी मार्च के रूप में मनाया जा रहा है। यह लगभग महीने भर चलने वाला कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि बागपत लोकसभा क्षेत्र में भी अभियान के तहत तीन दिवसीय पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। हर दिन 8 से 10 किलोमीटर की यात्रा होगी, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के बारे में जागरूक करना है।

प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ चन्द्रमोहन ने बताया कि अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी गतिविधियां भी नियोजित हैं। राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सरदार पटेल के जीवन, उनके योगदान और उनकी विरासत को याद करना है। जिला प्रभारी डॉ चन्द्रमोहन ने कहा कि कार्यक्रम में एकता मार्च, पदयात्रा, संगोष्ठी और प्रतियोगिताएं, स्वदेशी अभियान, नशामुक्ति अभियान चलाए जाएंगे। जिला अध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय ने कहा कि कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा सरदार पटेल के आदर्शों और उनके योगदान को लोगों तक पहुंचाना चाहती है और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करना चाहती है। उन्होंने कहा यात्रा सरदार पटेल के एकीकृत भारत के दृष्टिकोण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के मिशन से जोड़ेगी। इस दौरान पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित, पूर्व जिला अध्यक्ष सूरजपाल गुर्जर, अभियान जिला संयोजक डॉ विनय त्यागी, अनिल तोमर, कृष्णपाल चेयरमैन, चेयरमैन प्रदीप ठाकुर, मनुपाल बंसल, सुदेश चौहान, अंकित लपराना, सोनू माया, सुनील दीक्षित, अक्षय तोमर, निशु राजपूत, डॉ आशु, सुन्दर धामा, अमित उपाध्याय, संदीप वशिष्ठ, दिनेश प्रधान, संदीप प्रजापति, मनजीत गुर्जर, मनीष कुशवाहा, प्रभात स्वामी, सुनील तोमर, विनोद, देशपाल, देवेंद्र खोखर, नितिन चौधरी, श्रीओम कश्यप, आत्माराम मौर्य, डॉ शराफत अली आदि मौजूद रहे।

चिकित्सा सेवा में लापरवाही पर उपभोक्ता आयोग ने चिकित्सक पर लगाया हर्जाना!

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रुड़की। जिला उपभोक्ता आयोग ने चिकित्सीय सेवा में लापरवाही के मामले में चिकित्सक को दोषी मानते हुए उपचार खर्च अंकन 44,349 रुपये मय 6 प्रतिशत ब्याज, क्षतिपूर्ति अंकन 50 हजार रुपये व वाद खर्च अंकन 10 हजार रुपये का भुगतान उपभोक्ता को 45 दिन के अंदर करने के लिए दोषी चिकित्सक , उसके नर्सिंग होम व इंश्योरेंस कम्पनी को आदेशित किया है।

उपभोक्ता मामलों के वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीगोपाल नारसन ने बताया कि ग्राम भंगेड़ी महावतपुर निवासी माधोराम ने डॉ कोकिला गुप्ता द्वारा किए गए अल्ट्रासाउंड में किडनी में पथरी मिलने पर पथरी के ऑपरेशन के लिए सहारनपुर के शांति सर्जिकल एवं मैटरनिटी सेंटर की चिकित्सक डॉ विनीता मल्होत्रा 17 नवम्बर 2020

से 21 नवम्बर 2020 तक भर्ती होकर ऑपरेशन उपचार कराया तो ऑपरेशन के बाद चिकित्सक ने बताया कि उन्हें ऑपरेशन के दौरान पथरी किडनी में नही मिली है,जिसपर उपभोक्ता मरीज ने मेरठ में डॉ शालीन शर्मा व डॉ विनीत श्रीवास्तव से पुनः अल्ट्रासाउंड कराया तो किडनी में पथरी का होना पाया गया।उक्त चिकित्सको ने यह भी बताया कि ऑपरेशन करने वाली डॉ विनीता मल्होत्रा सर्जन नही है और केवल स्त्री रोग चिकित्सक है।सर्जन न होते हुए भी गलत ऑपरेशन व गलत डायग्नोज करने के कारण उपभोक्ता मरीज को जो परेशानी हुई उसे चिकित्सा सेवा में घोर लापरवाही मानते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष गगन कुमार गुप्ता व सदस्य डॉ अमरेश रावत ने उक्त हजार्ना अदा करने का फैंसला सुनाया है।वही उपभोक्ता आयोग ने यह भी व्यवस्था दी कि उक्त निर्णय आदेश का 45 दिन में अनुपालन न करने पर समस्त हजार्ना राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा।

सवर्ण आर्मी ने सामान्य वर्ग की समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

जौनपुर। सवर्ण आर्मी (सवर्ण सेवा न्यास) द्वारा सामान्य वर्ग की समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति महोदया को संबोधित एक ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन में कहा गया कि देश की आजादी के बाद से अब तक आरक्षण व्यवस्था जाति के आधार पर चल रही है, जबकि सामान्य वर्ग में भी गरीबी और बदहाली व्याप्त है। आरक्षण की व्यवस्था के कारण सामान्य वर्ग के अनेक प्रतिभाशाली युवाओं को सरकारी सेवाओं और अवसरों से वंचित होना पड़ता है। संगठन ने मांग की है कि जातिगत आरक्षण समाप्त किया जाए, एस.सी./एस.टी. एक्ट में संशोधन या समाप्ति की जाए, और सामान्य वर्ग आयोग (सवर्ण आयोग) का गठन किया जाए ताकि इस वर्ग की आवाज को भी उचित मंच मिल सके। सवर्ण आर्मी ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि एस.सी./एस.टी. एक्ट का दुरुपयोग आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है, जिसके चलते निर्दोष लोग भी वर्षों तक उत्पीड़न झेलते हैं। संगठन ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि इन मुद्दों पर शीघ्र संज्ञान लेकर देशहित में समुचित कार्यवाही की जाए। प्रदेश सचिन प्रवीण तिवारी जिला अध्यक्ष जितेन्द्र पांडे प्रमोद चौबे विराज ठाकुर जज्जे ने कहा कि हमारी यह मांग राष्ट्र की भलाई और सामाजिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

लौह पुरुष के आर्दशों से प्रेरित, बागपत दौड़ेगा एकता की राह पर

रन फॉर यूनिटी अभियान से जुड़कर राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे 500 प्रतिभागी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में आगामी 'रन फॉर यूनिटी' अभियान को लेकर तैयारियाँ जोरों पर हैं। यह अभियान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को आयोजित किया जायेगा। इस अभियान का उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और जन-भागीदारी की भावना को सुदृढ़ करना है।

शनिवार को बागपत के कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) पंकज वर्मा ने अभियान के सुचारु आयोजन और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ह्वरन फॉर यूनिटीह्व अभियान राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में जनपद के खिलाड़ी, युवा, महिलाएं, शिक्षक और स्थानीय नागरिक सहित विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय गौरव, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करना है।

अभियान को सफल बनाने के लिए यूथ क्लब, मंगल दल, एनसीसी और एनएसएस इकाइयाँ भी सक्रिय रूप से भाग लेगी। प्रशासन का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से हर वर्ग को जोड़ते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का

संदेश जन-जन तक पहुँचाना है। इस दौड़ के जरिए विभिन्न समुदायों, पेशों और आयु वर्गों के लोग एक ही उद्देश्य 'राष्ट्र की एकता' के लिए कदम से कदम मिलाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों के लिए 500 विशेष टी-शर्ट्स तैयार की जा रही हैं, जिन पर रन फॉर यूनिटी अभियान का लोगो मुद्रित होगा। टी-शर्ट्स का वितरण स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, श्रम, पंचायत राज और परिवहन विभागों के माध्यम से किया जाएगा जिसके नोडल अधिकारी के रूप में उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र अर्चना तिवारी को नामित किया गया है। अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी सम्बन्धित विभाग सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा, यातायात और मार्ग आदि की तैयारियाँ समय से पूर्ण करें ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से हमें एकता, त्याग और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा मिलती है। यह अभियान उसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी जिले के प्रमुख चिन्हित स्थानों पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश लेकर दौड़ेंगे। प्रशासन सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कर रहा हैं।

इसके साथ ही स्कूलों और कॉलेजों में देशभक्ति आधारित निबंध, भाषण प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं में देशभक्ति, सहयोग और एकता की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी तीरथलाल, परियोजना निदेशक राहुल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह, प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार, ए०आर०टी०ओ० राघवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

चिकित्सा शिविर में 427 रोगियों की हुई जांच

80 नेत्र रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बिनौली (बागपत)। जिवाना के आर्य कन्या इंटर कालेज में वरदान सेवा संस्थान गाजियाबाद एवं डा.केएस सोलंकी फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को निशुल्क नेत्र चिकित्सा, मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं छाती रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 427 रोगियों की जांच कर दवाइयां वितरित की। शिविर का शुभारंभ मेजर जनरल डा.कर्ण सिंह सोलंकी ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा.के उपाध्याय, डा.एसके शर्मा, डा. एस सिंघल आदि ने 312 नेत्र रोगियों की जांच कर दवाइयां व चश्मे वितरित किए। जिनमें से 80 रोगियों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिया किया गया। जिनको ऑपरेशन के लिए गाजियाबाद ले जाया गया। उधर छाती रोग विशेषज्ञ डा.विक्रांत सोलंकी ने 115 स्वास, दमा, खांसी से पीड़ित रोगियों की जांच कर दवाइयां वितरित की। आयोजन में

संयोजक एवं कॉलेज अध्यक्ष योगेंद्र सोलंकी, वीरेंद्र कुमार एडवोकेट, पुष्पेंद्र सोलंकी, प्रधानाचार्य तेजबीरी देवी, तेजपाल सिंह, नीरज सोलंकी, विश्वपाल, वीर बहादुर, मोहित तोमर आदि का सहयोग रहा।

बागपत के राष्ट्रीय राजमार्ग NH 709B में गड्ढों की सड़क पर 'टोल' की लूट!

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

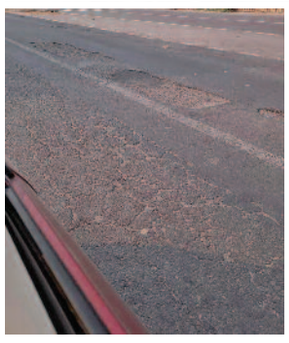

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से होकर गुजरने वाले जिस राष्ट्रीय राजमार्ग NH 709B (दिल्ली-यमुनोत्री मार्ग) पर आम जनमानस को सुरक्षित और सुगम यात्रा मिलनी चाहिए थी, वह सड़क पिछले लगभग एक वर्ष से हजारों जानलेवा गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। नगर पालिका परिषद बड़ौत के पूर्व सभासद रवि रुहेला व वरिष्ठ समाजसेवी डॉ संदीप शर्मा एडवोकेट ने जनहित में जारी एक प्रेस नोट में बताया कि यह मार्ग अब राष्ट्रीय राजमार्ग कम और दुर्घटनाओं का केंद्र ज्यादा बन गया है। इस बदहाली के कारण आए दिन सैकड़ों दुर्घटनाएँ हो रही हैं, जिनमें वाहन चालक और हमारे अपने लोग घायल हो रहे हैं और उनकी जान को खतरा है।

बेशर्म टोल वसूली:

उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस टूटी हुई सड़क रूपी मौत को न्योता देने वाली सड़क पर भी एन.एच.आई. (ठल्लअक) के अंतर्गत टोल की अवैध वसूली जारी है। हम किस बात का शुल्क दे रहे हैं? खराब सर्विस या मौत के जोखिम का?

प्रतिनिधि कहाँ हैं?

आज जब जनता दर्द में है, तब हमारे चुने हुए प्रतिनिधि–विधायक और सांसद–पूरी तरह से आँखों पर पट्टी बाँधे बैठे हैं। वे हमारे वोट से जीतकर, हमारी समस्याओं पर मौन धारण किए हुए हैं।

हमारी ज़िम्मेदारी क्या है?

हम, क्षेत्र की जनता, कब तक मूकबधिर बनकर इस अन्याय को सहते रहेंगे? हमारी चुप्पी ही इस लूट और लापरवाही को बल दे रही है।

अब और नहीं!

उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि आइए, हम सब एक होकर इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएँ। उन्होंने माँग की कि तत्काल टोल वसूली बंद हो। जब तक ठल 709इ की मरम्मत पूरी तरह से नहीं हो जाती, तब तक टोल लेना तत्काल बंद किया जाए। दोषियों व सड़क की बदहाली के लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो।

जिला जेल में भी बंदी भाइयों को बहनों ने किए टीके

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा। भैया दूज पर्व पर बागपत जिला जेल में भाई-बहन के स्नेह का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। बड़ी संख्या में बहनें अपने बंदी भाइयों को टीका करने पहुंचीं। भीड़ अधिक होने के कारण पुलिस को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

गुरुवार सुबह दिन निकलते ही बहनें जेल पहुंचनी शुरू हो गईं। नौ बजे तक जेल परिसर में भारी भीड़ जुट गई। जैसे ही खुली मुलाकात का समय शुरू हुआ, बहनें बारी-बारी से अंदर जाकर भाइयों को विधि-विधान से टीका करने लगीं।

अपने बंदी भाइयों को सामने देख कई बहनों की आंखें नम हो गईं। कई को गले लगकर रोते हुए भी देखा गया। दोपहर बाद तक चले मुलाकात के सिलसिले में बहनों ने बंदी भाइयों को मिठाई खिलाई और उनसे अपराध की दुनिया से नाता तोड़ने की अपील की।

भाइयों ने भी बहनों को मायूस नहीं किया और नेग में गलत राह छोड़ने का वादा किया। जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने बताया कि भैया दूज के अवसर पर बहनों के लिए विशेष रूप से खुली मुलाकात की व्यवस्था की गई थी। बहनों ने आमने सामने बैठकर अपने बंदी भाइयों को टीका किया और मिठाई खिलाई। मुलाकात में 724 महिलाएं, 258 बच्चे और महिला बंदियों से 16 पुरुषों ने भाग लिया। व्यवस्था बनाने जेलर कस्तूरी लाल, उप जेलर प्रशांत कुमार समेत अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

जन समस्याओं के प्रति बनें संवेदनशील, कराएं त्वरित समाधान: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबकी समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। समस्या लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

दीपावली के दिन से गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

ऑपरेशन सिंदूर का दर्द अब तक नहीं भूला पाकिस्तान: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान उस दर्द को नहीं भूला है और कहा कि युद्धों ने एक मिश्रित और विषम रूप धारण कर लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त की पुस्तक 'सिविल मिलिट्री फ्यूजन एज अ मेट्रिक ऑफ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी' के विमोचन समारोह में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की।

राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना में किए गए 'साहसिक और निर्णायक' सुधारों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि उन्होंने एक संकर और विषम रूप ले लिया है...पारंपरिक रक्षा दृष्टिकोण अब लागू नहीं होता...हमारी सरकार ने भविष्य के लिए तैयार और मजबूत सशस्त्र बलों के निर्माण के लिए कई साहसिक और निर्णायक सुधार भी किए हैं। ये सुधार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ हमारी सामरिक स्वायत्तता भी सुनिश्चित करते हैं। इन ऐतिहासिक कदमों में से एक था चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन। वरिष्ठ भाजपा नेता ने घरेलू रक्षा उत्पादन में वृद्धि और भारत के तेजी से रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण केंद्र बनने का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने तीनों सेनाओं के बीच असाधारण एकजुटता और एकीकरण देखा... ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को चकनाचूर कर दिया है, और आज भी वह उस दर्द को नहीं भूला है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को पढ़ने से मुझे जो मुख्य सीख मिली है, वह यह है कि नागरिक-सैन्य एकीकरण को केवल एकीकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक प्रवर्तक के रूप में देखा जाना चाहिए... यह प्रक्रिया अब भारत में तेजी से आगे बढ़ रही है... हमने रक्षा विनिर्माण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देते हुए, हमने शिक्षा जगत के साथ उद्योग जगत की साझेदारी भी बढ़ाई है। आज, हम रक्षा क्षेत्र के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे हैं...

घरेलू रक्षा उत्पादन अब कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। इसमें से निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 33,000 करोड़ रुपये है।

राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर के पहिये कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंसे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिये बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंस गए। राष्ट्रपति के सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना होने के बाद टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान हेलीकॉप्टर के पहियों को छोटे-छोटे गड्ढों से धक्के देकर बाहर निकालते हुए दिखाई दिए।

हेलीकॉप्टर के हेलीपैड पर उतरने के बाद ये गड्ढे बन गए। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए स्टेडियम को चुना गया था और इसलिए मंगलवार देर रात वहां हेलीपैड बनाया गया। पहले विमान को पंबा के समीप निलक्कल में उतारने की योजना बनायी गयी थी लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रमदम में उतारने का फैसला किया गया।

अधिकारी ने बताया, कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए।

राष्ट्रपति मुर्मू केरल के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंचीं और आज सुबह पथनमथिट्टा जिले के लिए रवाना हुईं, जहां एक पहाड़ी पर सबरीमला मंदिर स्थित है। मुर्मू प्रमदम से सड़क मार्ग से पंबा जा रही हैं जो सबरीमला की तलहटी में स्थित है।

महीनों के गतिरोध के बाद लद्दाख-केंद्र संवाद बहाल, राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची मुख्य मुद्दे

नई दिल्ली। महीनों से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्र के साथ बातचीत फिर से शुरू की, जिसमें चार सूत्री एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया गया- लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत समावेश, आरक्षण सुरक्षा उपाय और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को रद्द करना। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच लगभग दो घंटे की बैठक के दौरान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के तीन-तीन प्रतिनिधि और लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा जान शामिल थे। नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में

शामिल हनीफा जान ने एएनआई को बताया कि चर्चा मुख्य रूप से चार प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रही - लद्दाख को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करना, आरक्षण संबंधी मामले और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को हटाना। हनीफा ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई। हनीफा ने कहा, ₹हमने चारों बिंदुओं पर रचनात्मक चर्चा की। लद्दाख की पहचान की रक्षा और उसके लोगों के लिए न्याय और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर आपसी समझ बनी।₹ पहले दो मुद्दों - राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करना - पर प्रतिनिधिमंडल ने दोहराया कि ये लद्दाख की भूमि, संस्कृति और रोजगार के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। आरक्षण के मुद्दे पर, दोनों पक्ष सभी समुदायों के लिए उचित अवसर सुनिश्चित करने वाले पारस्परिक रूप से स्वीकार्य फॉर्मूले पर पहुंचने के लिए जल्द ही आगे विचार-विमर्श करने पर सहमत हुए।

प्रतिनिधिमंडल ने सोनम वांगचुक का मामला भी उठाया, सरकार से उन पर लगाए गए एनएसए को वापस लेने का आग्रह किया, इसे जनता का विश्वास बहाल करने और क्षेत्र में आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह बैठक केंद्र और लद्दाख के दो प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक गठबंधनों - एलएबी और केडीए के बीच महीनों के गतिरोध के बाद नए सिरे से बातचीत के हिस्से के रूप में हुई। 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की न्यायिक जांच की गृह मंत्रालय द्वारा 17 अक्टूबर को घोषणा के बाद बातचीत फिर से शुरू हुई, जिसमें चार लोग मारे गए और 80 से अधिक घायल हुए, एलएबी और केडीए द्वारा बातचीत की मेज पर लौटने के लिए निर्धारित पूर्व शर्तों में से एक को पूरा किया गया।

पटाखे चले फिर भी प्रदूषण 'कम'! दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा, पराली जलाने की पर पंजाब सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि इस साल दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था। उनका यह बयान निगरानी केन्द्रों द्वारा यह बताये जाने के एक दिन बाद आया है कि दिवाली के दिन दिल्ली का वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब के एक मंत्री से मुलाकात करेंगी और राज्य सरकार को पराली जलाये जाने के संबंध में दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराएंगी। पराली जलाना सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस साल दिवाली से पहले और बाद में (औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बीच) अंतर पिछले साल की तुलना में कम है, भले ही इस बार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक सतर्कता के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा था कि दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है। सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में जहरीली धुंध के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था

और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने दिवाली की रात किसानों को रिकॉर्ड मात्रा में धान की पराली जलाने के लिए मजबूर किया। दिवाली की रात सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा से ज्यादा पटाखे फोड़ने के कारण मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता और भी ज्यादा 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुँच गई। प्रदूषकों और भारी धातुओं से भरे जहरीले धुएँ के बढ़ने से शहर का औसत प्रति घंटा ढट2.5 का स्तर आधी रात को 675 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक पहुँच गया, जो 2021 में दिवाली की रात के बाद से सबसे ज्यादा है, जब यह 728 माइक्रोग्राम था। हालांकि, सुबह 6 बजे के बाद हवा की गति में वृद्धि और सामान्य से अधिक तापमान, साथ ही पराली जलाने का नगण्य प्रभाव, दिन के दौरान प्रदूषण में और वृद्धि को रोक पाया। दिवाली के दिन दिल्ली का 24 घंटे का औसत अदकशाम 4 बजे 'बहुत खराब' श्रेणी में 345 रहा - 2021 के बाद से दिवाली के दिन का उच्चतम रीडिंग, जब यह 382 तक पहुंच गया था।

एअर इंडिया का नेवार्क जाने वाला विमान तकनीकी खराबी के कारण मुंबई लौटा

नई दिल्ली। एअर इंडिया का नेवार्क जाने वाला एक विमान मंगलवार देर रात तकनीकी खराबी के कारण मुंबई लौट आया। उड़ानों पर निगरानी रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात एक बजकर 50 मिनट पर नेवार्क के लिए उड़ान भरने वाला बोइंग 777 विमान तीन घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रहने के बाद मुंबई लौट आया। विमानन कंपनी ने एक बयान में बताया, 22 अक्टूबर (21 अक्टूबर देर रात एक बजकर 50 मिनट पर) को मुंबई से नेवार्क के लिए उड़ान भरने वाले एआई191 के चालक दल ने संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन मुंबई वापसी की। विमान सुरक्षित रूप से मुंबई में वापस उतर गया और उसकी आवश्यक जांच की जा रही है। एअर इंडिया ने बताया कि उड़ान संख्या एआई191 और एआई144 (जो नेवार्क से मुंबई के लिए निर्धारित थीं) रद्द कर दी गईं।

विमानन कंपनी ने बताया कि सभी प्रभावित यात्रियों के लिए मुंबई के होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है और उनके गंतव्य के लिए एअर इंडिया व अन्य विमानन कंपनियों की वैकल्पिक उड़ानों में बुकिंग की गई है। यात्रियों की संख्या के बारे में खुलासा नहीं किया गया।

विमानन कंपनी ने बताया कि नेवार्क से एआई144 के यात्रियों को भी उड़ान रद्द किये जाने की सूचना दे दी गई है और उन्हें जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था मुहैया कराने में मदद की जा रही है।

रक्षा मंत्री और सेनाध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में बने लेफ्टिनेंट कर्नल

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुधवार को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। यह समारोह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित हुआ। यह सम्मान नीरज चोपड़ा की एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों और लाखों युवा भारतीयों को प्रेरित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है।

वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्हें देश का गौरव बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों में मानद रैंक प्राप्त हुई है। भारत के राजपत्र के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त, 2016 को नायब सूबेदार के पद पर जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए। दो साल बाद, एथलेटिक्स में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में खेल के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें खेल रत्न से सम्मानित किया गया। नीरज को 2021 में सूबेदार के पद पर भी पदोन्नत किया गया। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद, 27 वर्षीय भारतीय एथलीट को 2022 में भारतीय सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें 2022 में सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया, और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को उसी वर्ष भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया। नीरज हाल ही में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाला फेंक में अपना विश्व खिताब बचाने में नाकाम रहे और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे, जिससे उनका 26 स्पधाओं में शीर्ष दो स्थानों पर रहने का सिलसिला टूट गया। उनके हमवतन सचिन यादव ने उन्हें पछाड़कर चौथा स्थान हासिल किया और 86.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पदक से चूक गए।

आठवें स्थान पर रहने के बाद, नीरज ने अपने निराशाजनक प्रदर्शन पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पीठ में कुछ समस्या है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार यह जीवन और खेल है। 2021 कोर्टेन खेलों के बाद से नीरज का 26 बार शीर्ष दो में स्थान बनाने का सिलसिला - वह आयोजन जो टोक्यो 2020 में उनके ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से ठीक पहले हुआ था, इस प्रमुख आयोजन में निराशाजनक आठवें स्थान के साथ समाप्त हुआ।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री ने की गोवर्धन पूजा

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोपूजन के बाद सीएम ने गायों-गोवंश को खिलाया गुड़-केला

गोरखपुर। दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व की श्रृंखला के महत्वपूर्ण पर्व गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोवंश भारत की समृद्धि का आधार रहा है। सरकार गो संरक्षण और संवर्धन के लिए कई योजनाओं के जरिये सतत प्रयास कर रही है।

दीपावली के दिन सोमवार से ही गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन की प्रक्रिया पूर्ण की। गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और गोमाता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। इस दौरान वह गायों और गोवंश को उनका नाम लेकर पुकारते रहे और उनके पास जाकर उन्हें खूब दुलार भी किया। गोवर्धन पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों, अन्नदाता किसानों और पशुपालकों

को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई अभिनव कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिर्फ गोपूजन ही नहीं हो रहा है बल्कि गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 16 लाख गोवंश ऐसे हैं जिनका भरण पोषण प्रदेश सरकार अनुदानित कर रहे है। अन्नदाता किसानों की फसल को इनसे नुकसान न हो, इस दृष्टि से यह एक प्रयास प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि गोवंश के लिए प्रदेश में तीन प्रकार की विशेष योजनाएं हैं। एक योजना निराश्रित गोवंश स्थल की है जिसमें हर गोवंश के लिए सरकार के स्तर पर प्रतिमाह 1500 रुपये उपलब्ध कराए जाते हैं। ऐसे ही सहभागिता योजना है। इसमें कोई भी अन्नदाता किसान गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के साथ जुड़ता है तो उसे चार निराश्रित गोवंश की देखभाल के लिए प्रति गोवंश 1500 रुपये की दर से 6000 रुपये तक दिए जाते हैं। तीसरी योजना कुपोषित परिवारों के लिए है। जो कुपोषित माताएं हैं, बच्चे हैं, उन परिवारों में उन्हें निराश्रित गो आश्रय स्थल से ब्याई हुई गाय दी जाती है। वह सेवा करें और गाय का दूध भी लें। साथ ही उन्हें 1500 रुपये प्रति महीना गाय की देखभाल के लिए दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसन्नता है कि बड़ी संख्या में लोगों ने इस योजना का लाभ लिया है और कुपोषण से सुपोषण की ओर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में संचालित गोवर्धन योजना से अन्नदाता किसान समृद्धि की ओर बढ़े हैं। प्रदेश में कंप्रेस्ड बायोगैस और इथेनॉल बनाने से अन्नदाता किसानों को गोबर का भी दम प्राप्त हो रहा है।

साथ जी ग्रीन ईंधन के माध्यम से प्रदेश के अंदर नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने और पेट्रोल डीजल में खर्च होने वाले भारत धन को बचाने में भी मदद मिल रही है।

गोवर्धन पूजा भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था का प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि गोवर्धन पूजा भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था का प्रतीक है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में गोवंश का महत्व क्या है, यह गोवर्धन पूजा जैसे आयोजन इसे बताते हैं। दीपावली जैसे महापर्व के साथ इस आयोजन को जोड़कर इसकी महत्ता को और भी प्रभावी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे गो पूजन और गोसेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

सेहत/स्वास्थ्य

हील्स पहनकर पैरों में होता है भयंकर दर्द? इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज से पाएं तुरंत आराम!

लंबे समय तक हील्स पहनने से पैरों और टखनों में होने वाले दर्द तथा जकड़न से राहत पाने के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज एक प्रभावी उपाय है। ये आसान कसरत पिंडलियों की टाइटनेस कम कर और रक्त संचार बढ़ाकर पैरों को आराम पहुंचाती हैं, जिससे आप स्टाइलिश रहते हुए भी दर्द से मुक्त रह सकें।

लड़कियां स्टाइलिंग और फैशन के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करती। स्टाइलिश बनाने के लिए कभी-कभी लड़किया दर्द सहने को भी तैयार रहती हैं। ऑफिस, पार्टी और शादी में आउटफिट लुक को परफेक्ट बनाने के लिए महिलाएं हील्स जरुर पहनती है। हील्स पहनना सभी को पसंद है और यह लुक भी गजब का देता है। लंबे समय तक हील्स पहनने से पैरों में दर्द या फिर टखनों में जकड़न की शिकायत होने लगती है। कई बार तो दर्द इतना भंयकर होता है कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। आइए आपको बताते हैं कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बारे में, जो हील्स पहनने में काफी फायदेमंद रहेगी। इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करने से हील्स पहनने के बाद दर्द नहीं होगा-

कफ स्ट्रेच

आमतौर पर हील्स पहनने पर पिंडलियों में टाइटनेस आ जाती है। कफ स्ट्रेच करने से उस मसल्स की टाइटनेस को कम करने में मदद करता है। यह ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है। आप चाहे तो वॉल के पास खड़े होकर काफ स्ट्रेच कर सकते हैं। इसे करने के लिए दीवार के सामने सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें। पीछे वाला पैर एड़ी के साथ जमीन पर टिका रहे। दोनों हाथ दीवार पर रखकर थोड़ा आगे झुके, जब तक पीछे वाले पैर की पिंडली में खिंचाव न महसूस हो। इसे करीब 20-30 सेकंड ऐसे ही रुको। अब दूसरे पैर से भी इसी तरह स्ट्रेच करें।

फुट आर्च स्ट्रेच

इसे करते समय टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड का इस्तेमाल किया जाता है। हील्स पहनने से जो मसल्स टाइट हो जाती है, उन्हें ये स्ट्रेच खोलता है। इसे करने के लिए एक टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड लो। इसे अपने पैरों के पंजे में फंसाएं और धीरे-धीरे अपनी तरफ खींचो। ऐसा करने से पैरों के आर्च और एड़ी खिंचाव फील होगा। अपने क्षमतानुसार इसी पोजिशन में रुकें और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

एंकल रोल्स

एंकल रोल्स स्ट्रेच को आप कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं। यह आपके एंकल ज्वॉइंट्स को फ्लेक्सिबल बना देता है और पैर की सूजन भी कम हो जाती है।

इसे करने के लिए सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठ जाएं। अब एक पैर ऊपर उठाओ और एंकल को पहले घड़ी की दिशा में, फिर उल्टी दिशा में घुमाओ। ऐसे ही दूसरे पैर से भी करें। इस तरह आप दोनो डायरेक्शन में 10-10 बार रोल करें।

ब्यूटी / फैशन

मसालेदार खाना खाकर चेहरा दिखने लगा है डल, तो इन आसान घरेलू नुस्खों से मिनटों में पाएं दमकती स्किन

खाना खाते समय हम सभी उसके टेस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। अक्सर अपने खाने को तीखा या चटपटा बनाने के लिए अधिक मसालों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी तीखी चटनी या मिर्च का अचार खाने के स्वाद को बढ़ा देता है। इससे आपके टेस्ट बड को तो मजा आता है, लेकिन स्किन पर इसका उल्टा असर हो सकता है। बहुत ज्यादा तीखा खाने से चेहरे में रेडनेस व डलनेस की शिकायत होती है। वो गर्मी जो शरीर में महसूस होती है, स्किन पर भी असर डालती है, जिससे ऑयल ज्यादा बनने लगता है और चेहरा डिहाइड्रेट हो जाता है।

ऐसे में अधिकतर लोग सोचते हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा मसालेदार खाने से दूरी बनानी पड़ेगी। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप चाहें तो अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाते हुए भी ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। बस जरूरत है कुछ आसान स्किनकेयर स्टेप्स अपनाने की। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो मसालेदार खाने के बाद चेहरे की डलनेस को दूर करने में मदद करेंगे-

भरपूर पानी पीएं

अगर आप अपनी स्किन के खोए हुए ग्लो को वापिस पाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। दरअसल, मसालेदार खाना खाने से शरीर में पसीना और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का पानी कम होने लगता है। इसी डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन रूखी, डल और बेजान नजर आने लगती है। इसलिए दिनभर में भरपूर पानी पीएं। इसके अलावा, नारियल पानी पीना भी काफी अच्छा रहता है। नारियल पानी से हाइड्रेशन के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी मिलते हैं, जिससे स्किन की नमी भीतर से बनी रहती है।

अगर आप अपनी स्किन के खोए हुए ग्लो को वापिस पाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। दरअसल, मसालेदार खाना खाने से शरीर में पसीना और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का पानी कम होने लगता है।

लगाएं कूलिंग फेस मास्क

मसालेदार खाने के बाद स्किन को सुकून और नमी की जरूरत होती है। इसलिए, आपको एलोवेरा, खीरा या दही से बने मास्क को स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। यह स्किन को ठंडक देने के साथ-साथ जलन कम करता है। मास्क बनाने के लिए आप दो चम्मच दही के साथ एक चम्मच एलोवेरा जेल और कुछ बूंदे गुलाबजल मिक्स करके अप्लाई करें। करीबन 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरो धो लें। इससे स्किन को ठंडक, नमी व ग्लो मिलता है।

हाइड्रेटिंग टोनर या गुलाबजल से करें स्प्रे

मसालेदार खाने से शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है। गर्मी बढ़ने से स्किन की नमी जल्दी उड़ जाती है। ऐसे में गुलाबजल या टोनर लगाने से फायदा मिलता है।

इससे चेहरा तुरंत ठंडा और फ्रेश लगता है, साथ ही पीएच बैलेंस भी बना रहता है। इसलिए, दिनभर में 2-3 बार गुलाबजल स्प्रे करें। इससे स्किन की नमी बनी रहती है। साथ ही, वह फ्रेश महसूस होती है।

पर्यटन

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है सरलपारा गांव, वीकेंड पर बनाएं एडवेंचर का नया ठिकाना

> असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

जब भी नॉर्थ ईस्ट इंडिया में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले असम का नाम लेते हैं। यह एक खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है। असम पूर्वोत्तर भारत में स्थित प्राकृतिक सुंदरता, चाय बागानों और जैवविविधता का खजाना है। असम बांग्लादेश और भूटान दोनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता है। असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

असम में सरलपारा

असम के कोकराझार जिले में सरलपारा पड़ता है। यह कोकराझार मुख्य शहर से करीब 56 किमी दूर है। यह असम की एक ऐसी जगह है, जो भूटान की सीमा के पास स्थित है। यह जगह पर्यटकों के बीच खासी लोकप्रिय है। सरलपारा गुवाहाटी से करीब 237 किमी दूर है। वहीं बोंगाईगांव से करीब 58 किमी और पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार से करीब 122 किमी की दूरी पर है।

क्यों फेमस है सरलपारा

भूटान सीमा के पास में स्थित सरलपारा असम का सबसे फेमस और खूबसूरत पिकनिक स्पॉट है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़, झरना और घाटियां खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। यहां पर आसपास कई खूबसूरत चाय के बागान भी हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह जगह अपने शुद्ध और शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। सरलपारा अपने लुभावने सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्यों के लिए भी फेमस है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। यहां पर मौजूद घास के मैदान और मैदान के बीच बहने वाली नदी पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं। सरलपारा में आपको कई किस्म के फूल भी देखने को मिलेंगे।

पर्यटकों के लिए खास

सरलपारा पर्यटकों के बीच पिकनिक स्पॉट के रूप में फेमस है। यहां पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि असम के दूर-दराज परिवार के साथ भी पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं वीकेंड पर भारी संख्या में लोग फैमिली के साथ आते हैं। लोग यहां पर अपने परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने पहुंचते हैं। सरलपारा पर्यटकों के बीच एडवेंचर स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर लोग हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा यहां पर आप यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने वाली जगहें

बता दें कि यहां के आसपास कई ऐसी मनमोहक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिसकी खूबसूरती आपको मोहित कर सकती हैं। इसके लिए आप यहां पर बोरनोखोरी गांव, बेटीया जंगल, टी गार्डन और गौरांग नदी जैसी खूबसूरत जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

घरेलू नुस्खे

बदलते मौसम में बीमारियों से बचाएगा आंवले का अचार, इम्यूनिटी को देगा सुपर बूस्ट! जानिए कैसे बनाएं आंवले का अचार

विटामिन ए, बी, सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आंवला इम्यूनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। बदलते मौसम में सेहत दुरुस्त रखने के लिए यह इंस्टेंट आंवला अचार रेसिपी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट तरीका है, जिसे घर पर झटपट तैयार किया जा सकता है, जिससे बच्चे भी आंवले के स्वास्थ्य लाभ आसानी से पा सकें।

आंवला खाने से सेहत मस्त-मस्त रहती है। आंवले में विटामिन ए, बी और सी होते हैं और इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। बदलते मौसम में आंवले का सेवन करने से हेल्थ भी मस्त रहती हैं और बीमारियां भी दूर रहती है।

खासकर बच्चे आंवले के सेवन करने से मना करते हैं, तो आप इस मजेदार तरीके से आंवला अचार बना सकते हैं, इसे सब पसंद करेंगे। अचार खाना पंसद हैं, तो इंस्टेंट आंवले का अचार बनाएं।

आइए आपको आंवले का इंस्टेंट अचार बना सकते हैं।

आंवले का इंस्टेंट अचार बनाने की सामग्री

- आधा से एक किलो आंवला
- एक चम्मच राई
- एक चम्मच जीरा
- दो चम्मच धनिया
- आधा चम्मच मेथी
- काली मिर्च
- सौंफ एक चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर
- सरसों का तेल
- हल्दी
- लाल मिर्च पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- आठ से दस हरी मिर्च

इंस्टेंट आंवला अचार बनाने की रेसिपी

- इसके लिए आंवले को अच्छे से धोकर सुखा लें।
- अब आप इन आंवलों को प्रेशर कुकर में उबाल लें फिर उबलते पानी में डालकर हल्का नर्म पड़ने तक पकाएं। फिर गैस से उतारकर सारे आंवलों को छान लें।
- फिर बीजों को हटाकर आंवले के चार भाग करें और इसके बाद करीब दो घंटे तक धूप लग जाने दीजिए। ताकि इसका पानी खत्म हो जाए।
- एक पैन में सारे मसाले ड्राई रोस्ट कर लीजिए। इसमें राई, जीरा, धनिया, मेथी, काली मिर्च, लाल मिर्च डालकर भून लें।
- अब इसको ग्राइंडर में पीस कर पाउडर बना लें।
- सरसों तेल को लें और इसे गैस पर पका लें। ताकि तेल का कच्चापन चला जाए।
- तेल गर्म होने के बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और तैयार मसाले डालें और साथ ही आंवले को डालकर ऊपर से नमक डालकर मिक्स करें। बस तैयार है इंस्टेंट आंवले का अचार।
- इसके बाद आप कटी हुई ताजी हारी मिर्च को भी डाल दें। इससे आपके अचार का टेस्ट बढ़ जाएगा।

प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने एफएम रेडियो कार्यक्रम में साझा किए अपने अनुभव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने बिजनौर स्थित एफएम रेडियो द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'एक मुलाकात हमारे साथ' में सहभागिता की। कार्यक्रम में 'विद्या भारती में उनकी जीवन यात्रा' विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री राजपूत ने कहा कि एफएम बिजनौर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुरादनगर एवं विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व का विषय रहा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विद्या भारती के साथ कार्य करते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार करने के अवसर प्राप्त हुए। कार्यक्रम के दौरान एफएम की परिचारिका द्वारा उनसे शिक्षा की प्रेरणा, इस पद तक पहुंचने की यात्रा, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचार, बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के उपाय, परिवार विघटन के कारण एवं आगामी योजनाओं जैसे विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम में आमंत्रण हेतु एफएम रेडियो बिजनौर का आभार व्यक्त किया। यह परिचर्चा शीघ्र ही एफएम 89.6 पर प्रसारित की जाएगी।

समाज गोविंदपुरी का 74वां वार्षिकोत्सव में भाषण प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आर्य समाज गोविंदपुरी मोदीनगर का 74 वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार से प्रारंभ हो गया है। सुबह प्रथम सत्र यज्ञ भजन व प्रवचन के साथ प्रारंभ हुआ। दोपहर को द्वितीय सत्र में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका विषय था 'आर्य समाज के 150 वर्ष की यात्रा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 14 विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने भाग लिय प्रतियोगिता का 'महर्षि दयानंद चल विजयो उपहार' 1 वर्ष के लिए दयावती मोदी पब्लिक स्कूल मोदीनगर को दिया गया।, प्रथम पुरस्कार पदमेश मेंदीरत्ता सेंट पेट्रिक्स एकेडमी मेरठ, द्वितीय पुरस्कार इति शर्मा दयावती मोदी पब्लिक स्कूल मोदीनगर को दिया गया, तृतीय पुरस्कार कनिका दयावती मोदी पब्लिक स्कूल मोदीनगर को दिया गया। सम्मेलन में आए सभी प्रतिभागियों अध्यापकों, अध्यापिकाओं, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों को प्रतीक चिन्ह उपहार वह प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ अरुण त्यागी ने सभी प्रतिभागियों को परिश्रम ईमानदारी वह कर्तव्यनिष्ठ रहने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य नीरज कौशिक ने सभी प्रतिभागियों में देश के वीर सपूतों बलिदानीयों की गाथाओं से ओतप्रोत भाषण से देश भक्ति का संचार किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष निवाड़ी से पधारे कृष्ण शास्त्री जी ने वेदों के महत्व को बताते हुए कहां की संसार की समस्त विद्याएं वेदों के अंदर विद्यमान है । वेदों की ओर लौटने का आवाहन किया। वेदों का अध्ययन करना ही वेदों की और लौटना है।, कार्यक्रम का संयोजक डॉ दिनेश मलिक द्वारा किया गया। आर्य समाज के मंत्री विश्व बंधु द्वारा आए हुए सभी प्रतिभागियों अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजय गर्ग, सुनील भाटिया अंकित चौधरी, सुनील भाटिया, उरगेन्द्र भारद्वाज, वीरेंद्र गुरुजी, विशाल पोखरेल महिला समाज की श्रीमती अनीता भाटिया, वरुण भाटिया, कालूराम आदि का विशेष योगदान रहा।

'पहल एक प्रयास' संस्था के सशक्त स्तम्भ डॉ. सतीश त्यागी का निधन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। 'पहल एक प्रयास' नामक एक अग्रणी सामाजिक संस्था के सशक्त स्तम्भ माने जाने वाले विख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सतीश त्यागी का शुक्रवार की तड़के निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ थे। बताया जाता है कि मृत्यु का पूवाभास हो जाने पर डॉ सतीश त्यागी ने अपने परिवारजनों को बुलाकर उन्हें सामाजिक दायित्व एवं चिकित्सकीय क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारियां देकर उनका मार्गदर्शन किया। यहां हापुड़ रोड स्थित मुक्तिधाम पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार हुआ।

शव यात्रा में नगर क्षेत्र के अनेक डाक्टर तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि काफी संख्या में शामिल हुए। विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामआसरे शर्मा, अशोक माहेश्वरी व सरोज शर्मा, डॉ दिनेश कंसल, डॉ राजेंद्र त्रिशाल, डॉ राजीव त्यागी, वरिष्ट नागरिक संस्था के अध्यक्ष रकम सिंह दरोगा, शिक्षाविद् विनोद कुमार माहेश्वरी, भोजपुर की ब्लाक प्रमुख सुचेता सिंह, डॉ अरूण त्यागी, तुषार त्यागी सहित अनेक डाक्टरों ने डॉ सतीश त्यागी के असामायिक निधन को नगर में चिकित्सा क्षेत्र की एक अपूर्णीय क्षति बताया तथा शोकाकुल परिजनों- पहल एक प्रयास संस्था की चेयरमैन डॉ सरिता त्यागी (पत्नी), डॉ पुरू त्यागी (पुत्र) आदि के प्रति संवेदनाएं जतायी।

अन्नकूट प्रसाद वितरण व विशाल भंडारे के कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आनंदेश्वर महादेव शिव मंदिर रेलवे रोड़, मोदीनगर में गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर अन्नकूट प्रसाद वितरण व विशाल भंडारे के कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को स्नेहपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। नगर के सैकड़ों भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा-अर्चना कर बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में भक्ति, सौहार्द और आनंद का मनोहारी वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की सफलता में समाजसेवी शिक्षाविद विनोद कुमार माहेश्वरी नरेंद्र माहेश्वरी कुमोद माहेश्वरी गौरव माहेश्वरी, अंकुर माहेश्वरी एवं आशीष माहेश्वरी, अजय माहेश्वरी, पवन वर्मा, प्रियंका वर्मा, डा अंकिता माहेश्वरी, श्री सुलेख गुप्ता आदि गणमान्य लोगो का इस पावन अवसर पर विशेष योगदान रहा।

विक्रांत त्यागी ने मोदीनगर में एमएलसी चुनाव को लेकर बैठक की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर के अध्यक्ष बृजेश सेन के द्वारा मोदीनगर एक्शन होटल में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एमएलसी प्रत्याशी विक्रांत वशिष्ठ त्यागी ने कांग्रेसी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए एमएलसी स्नातक के चुनाव में अधिक से अधिक वोट बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने बताया की लोकतंत्र में वोटो की संख्या ही चुनाव में पार्टी के कार्यकताओं की सजकता को प्रदर्शित करती है।

चुनाव जीतने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को विक्रांत त्यागी बनकर कार्य करना चाहिए स्नातक एमएलसी चुनाव में यदि जीत मिलती है तो यह कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता की जीत होगी एमएलसी प्रत्याशी विक्रांत त्यागी के समक्ष शांति सिंह, सुभाष कुमार और भारतीय जनता पार्टी छोड़कर अनिल त्यागी गाजियाबाद निवासी ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के साथ चलकर कार्य करेंगे पंडित सुनील शर्मा और शहरअध्यक्ष बृजेश कुमार सैन एमएलसी प्रत्याशी विक्रांत त्यागी को आश्वस्त किया कि मोदीनगर कांग्रेस कमेटी अधिक से अधिक संख्या में वोट बनवाकर मोदीनगर से कांग्रेस पार्टी को जीतने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर पंडित सुनील शर्मा पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश, कल्पना सिंह शहर अध्यक्ष मोदीनगर महिला मोर्चा, चांद वीर चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर, साजिद खान ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी, डॉक्टर फरमान अध्यक्ष अग्रसेन मंडल, नरेंद्र चौधरी अध्यक्ष महर्षि दयानंद मंडल बब्बू चौहान अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह मंडल, वेद प्रकाश कोरी अध्यक्ष वार्ड 26, प्रवीण कुमार शर्मा अध्यक्ष वार्ड 24, राजेश कुमार अध्यक्ष वार्ड 21, हिमांशु सोनी अध्यक्ष वार्ड 17, जगपाल सिंह अध्यक्ष वार्ड 5, अमजद इद्रेशी शहर अध्यक्ष मोदीनगर अल्पसंख्यक विभाग, अभिषेक त्यागी गाजियाबाद, पंडित सुरेश दोसा, चतरे जाटव, श्रीओम शर्मा, भिखारी लाल कश्यप, फकीरचंद कश्यप, विशाल कौशिक, आकाश तंवर, जहूर खान, अनीता शर्मा और समसा आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और
मुफ़्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर
मुफ़्त बिजली योजना से

"इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा।"
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333 www.easysolarsolutions.com

।।शक्ति यात्रा।।™

।। विशुद्ध हवन सामग्री ।।

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाउबेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता
।।श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ।।
रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।